PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 07 ● भिलाई, मंगलवार 21 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

रिलीज से पहले ही बिक गए 40 हजार टिकट

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सुपरस्टार थलपति विजय की मोस्ट अवेटेड और आखिरी फिल्म 'जन नेता' को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शुमार 'जन नेता' को सिनेमाघरों में दस्तक देने में अब महज 3 दिन का समय बचा है। 23 जुलाई 2026 को रिलीज होने जा रही इस फिल्म का बज इतना तगड़ा है कि एडवांस बुकिंग पूरी तरह से शुरू होने से पहले ही इसने टिकट बिक्री के नए रिकॉर्ड बनाने शुरू कर दिए हैं। फैंस अपने चहेते सितारे को आखिरी बार बड़े पर्दे पर देखने के लिए पूरी तरह से बेताब हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते शनिवार को फिल्म की एडवांस बुकिंग को सीमित (लिमिटेड) तौर पर खोला गया था। सीमित बुकिंग होने के बावजूद फैंस का क्रेज इस कदर हावी था कि देखते ही देखते 'बुक माय शो' पर 40 हजार से ज्यादा टिकट बिक गए। आज यानी रविवार, 19 जुलाई से पूरे देश में फिल्म की एडवांस बुकिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है, जिसके बाद टिकटों की बिक्री में और भी भारी उछाल आने की पूरी उम्मीद है।

ढोंगी बाबा अशोक खरात की पत्नी भी ईडी के शिकंजे में

मुंबई । महाराष्ट्र के चर्चित ढोंगी बाबा अशोक खरात के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए उनकी पत्नी कल्पना खरात को भी आरोपी बनाया है। एजेंसी ने मुंबई की विशेष अदालत में अशोक खरात, उनकी पत्नी और चार अन्य सहयोगियों के खिलाफ 3,000 से अधिक पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। यह चार्जशीट 30 गवाहों के बयान और वित्तीय दस्तावेजों के आधार पर तैयार की गई है। ईडी के अनुसार, अशोक खरात पर अपराध से अर्जित लगभग 42.88 करोड़ रुपये की राशि को विभिन्न माध्यमों से वैध दिखाने का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि इस पूरी प्रक्रिया में कल्पना खरात ने भी सहयोग किया और अपने नाम पर संपत्तियां खरीदकर कथित अवैध कमाई को छिपाने में भूमिका निभाई।

बहुविवाह पर असम सरकार सख्त, सरकारी नौकरी और योजनाओं पर लग सकती है रोक

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बहुविवाह के खिलाफ राज्य सरकार के सख्त रुख को दोहराते हुए कहा है कि बहुविवाह जैसे अपराध और सरकारी नौकरी एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस तरह की प्रथा को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि राज्य की बहनों और बेटियों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग बहुविवाह जैसी गतिविधियों में शामिल होंगे।

जंतर-मंतर पर पुलिस का बड़ा एक्शन!

टेंट उखाड़े, लाठी मारकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद मार्च के बाद जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन को लेकर सोमवार शाम हालात एक बार फिर तनावपूर्ण हो गए। शाम करीब चार बजे सुरक्षा बलों ने प्रदर्शन स्थल पर कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया और विरोध शुरू होने के बाद लगाए गए टेंट भी उखाड़ दिए। इसके बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। सरकार ने स्थिति को नियंत्रित करने के साथ-साथ समाधान निकालने की कोशिशें भी तेज कर दी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ बैठक की। बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे। हालांकि बैठक में क्या चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। दूसरी ओर, सरकार ने प्रदर्शनकारी पक्ष से भी संवाद शुरू किया है। कॉकरोच जनता पार्टी के नेता सौरभ दास और आशुतोष रंका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद सौरभ दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर जानकारी देते हुए कहा कि जेपी नड्डा ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि सरकार इस पूरे मामले पर आंतरिक स्तर पर गंभीरता से चर्चा करेगी। इस घटनाक्रम को संसद मार्च के बाद सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत की दिशा में पहला अहम कदम माना जा रहा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि वार्ता के बाद आंदोलन को लेकर आगे क्या फैसला लिया जाएगा। जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की। शास्त्री भवन के पास कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड हटाने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल होने की भी खबरें सामने आईं। स्थिति को देखते हुए जनपथ, पटेल चौक, राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय और सेवा तीर्थ समेत कई मेट्रो स्टेशनों के कुछ प्रवेश द्वार अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए, जिससे यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद तक विरोध मार्च करने निकले कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। गौरतलब है कि प्रदर्शनकारी सीजेपी के प्रस्तावित 'संसद मार्च' कार्यक्रम के तहत पार्लियामेंट की ओर बढ़ रहे थे। हालांकि, इसके लिए पुलिस की ओर से अनुमति नहीं दी गई थी। इसके बावजूद भी भारी संख्या में लोग जंतर-मंतर से संसद की तरफबढ़ने लगे। भीड़ को रोकने के लिए पुलिस को बल का प्रयोग करना पड़ा। दिल्ली पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों के ऊपर की गई लाठीचार्ज की वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही है। अलग-अलग वीडियो में देखा जा सकता है कि पुलिस किस तरह बेरहमी से प्रदर्शनकारियों पर बल का प्रयोग कर रही है।

जंतर-मंतर पर बड़ा यू-टर्न! प्रदर्शन के बीच अभिजीत दीपके ने अचानक तोड़ा अनशन...

दिल्ली में प्रदर्शन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अपना अनशन तोड़ दिया है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने जंतर-मंतर पर अपनी भूख हड़ताल खत्म की। हालांकि, कॉकरोच जनता पार्टी संसद की ओर कूच जारी रख रही है। इस बीच सुरक्षा बलों ने शास्त्री भवन के पास प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। मिली जानकारी के अनुसार, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के कहने पर अभिजीत दीपके ने अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म कर दी। इस दौरान उनके साथ सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो भी मौजूद रहीं। बता दें, कि सोनम वांगचुक अभी सफदरजंग अस्पताल में भर्ती हैं। सीजेपी का कहना है कि सरकार ने बातचीत के लिए संपर्क किया है, प्रवक्ता नड्डा से मिलने जा रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने बताया कि सरकार ने बातचीत के लिए उनसे संपर्क किया है और पार्टी के दो प्रवक्ता केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिलकर एक्टिविस्ट संगठन की मांगें रखेंगे। मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली में सीजेपी के प्रदर्शनकारी विजय चौक तक पहुंच चुके है। सुरक्षाकर्मियों ने संसद भवन का मेन गेट बंद कर रखा हुआ है।

क्या होने वाला है बड़ा फैसला...?

सीजेपी के संसद मार्च के बीच अचानक शाह से मिले प्रधान...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के बीच सोमवार को राजनीतिक हलचल तेज हो गई। इसी दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान संसद भवन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे। हालांकि दोनों नेताओं की इस मुलाकात का आधिकारिक एजेंडा सामने नहीं आया है। सीजेपी पिछले कई दिनों से पेपर लीक मामले में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन कर रही थी। सोमवार को पार्टी ने संसद मार्च निकाला,

जिसके दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई जगहों पर झड़प हुई। जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की। शास्त्री भवन के पास कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड हटाने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल होने की भी खबरें सामने आईं। स्थिति को देखते हुए जनपथ, पटेल चौक, राजीव चौक, केंद्रीय सचिवालय और सेवा तीर्थ समेत कई मेट्रो स्टेशनों के कुछ प्रवेश द्वार अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए, जिससे यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन के बीच सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त करने का ऐलान किया। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बीच सीजेपी के सौरभ दास और आशुतोष रंका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की है।

तेज रफ्तार ट्रेन सें कटकर 6 हिरणों की दर्दनाक मौत

नागपुर। नागपुर के कन्हान इलाके में मुंबई-हावड़ा रेलवे ट्रैक पर एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां तड़के रेलवे ट्रैक पार कर रहे हिरणों का एक झुंड अचानक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे छह हिरणों की मौके पर ही कटकर जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस (दर्दनाक) घटना से इलाके में वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय लोगों में काफी निराशा है।

सपा कार्यकर्ताओं ने खोला मोर्चा

पुलिस हिरासत में डिंपल सड़कों पर मचा बवाल..

लखनऊ। दिल्ली में चल रहे सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए कथित लाठीचार्ज और सांसद डिंपल यादव को हिरासत में लिए जाने के विरोध में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया. समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा ने छात्र सभा के कार्यकर्ताओं, महिला कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में पार्टी समर्थकों के साथ विरोध प्रदर्शन कर अपना रोष व्यक्त किया. डेमोग्राफ़िक्स प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए

लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन का आरोप लगाया. सपा नेताओं का कहना है कि विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों पर बल प्रयोग किया जा रहा है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता.

1 अगस्त को पुणे में होंगे सम्मानित

अजीत डोभाल को मिलेगा प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार..

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान लोकमान्य तिलक मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष उन विशिष्ट हस्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने भारत के विकास और वैश्विक स्तर पर देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। इस वर्ष ट्रस्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में डोभाल की असाधारण सेवाओं को देखते हुए

उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना है। लोकमान्य तिलक मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. रोहित तिलक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1983 में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह सम्मान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित हस्तियों को प्रदान किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग, अर्थशास्त्र, विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ट्रस्ट का उद्देश्य ऐसे व्यक्तित्वों के अनुभव और उपलब्धियों को समाज तथा नई पीढ़ी के सामने लाना है, ताकि उनसे प्रेरणा ली जा सके। डॉ. रोहित तिलक ने बताया कि इस वर्ष जब ट्रस्ट के सभी सदस्य पुरस्कार के लिए नाम पर विचार-विमर्श कर रहे थे, तब सर्वसम्मति से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का नाम सामने आया।

मंगेतर फोन पर सुनता रहा चीखें और सनकी आशिक ने रेत दिया पूर्व प्रेमिका का गला

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक से एक ऐसा दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को सन्न कर दिया है। यहां एक सिरफिरे आशिक ने अपनी पूर्व प्रेमिका की सगाई से खफा होकर उसे बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। रोंगटे खड़े कर देने वाली बात यह है कि जब इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया जा रहा था, तब मृतका का मंगेतर फोन लाइन पर था। हत्या करने के बाद आरोपी ने मंगेतर से फोन पर कहा- 'वैशू इज फिनिश्ड' और वहां से फरार हो गया। हालांकि, पुलिस जब इस खूनी खेल की जांच करते हुए आरोपी तक पहुंची।

मुर्दों को जिंदा करने के लिए आभार

आंदोलन का श्रेय केवल सीजेआई सूर्यकांत को जाता है- संजय राउत

नई दिल्ली/ एजेंसी

जब देश की राजनीति में युवाओं का गुस्सा फूट रहा हो और सड़कों पर आंसू गैस के गोलों का धुआं छाया हो, तब एक ट्वीट राजनीतिक गलियारों में भूकंप ला देता है। राज्यसभा सांसद और शिव सेना ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने हाल ही में सीजेआई सूर्यकांत पर एक ऐसा तीखा तंज कसा है, जिसने इस पूरे आंदोलन की दिशा ही बदल दी है। संजय राउत ने सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को संबोधित करते हुए एक विवादित और बेहद चर्चित पोस्ट साझा

किया है। उन्होंने अपने संदेश में स्पष्ट रूप से लिखा कि आज के इस महान आंदोलन का पूरा श्रेय केवल सीजेआई सूर्यकांत को जाता है। राउत ने अपने चिर-परिचित व्यंग्यात्मक लहजे में आगे कहा, देश के मुर्दों को जिंदा करने के लिये शुक्रिया। राउत के इस बयान का सीधा मतलब यह निकाला जा रहा है कि सीजेआई सूर्यकांत की एक टिप्पणी ने सोई हुई जनता और युवाओं को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। मुर्दों को जिंदा करने का मुहावरा यहां उन लोगों के लिए इस्तेमाल किया गया है जो अब तक व्यवस्था के प्रति उदासीन थे, लेकिन अब सीजेपी प्रोटेस्ट के जरिए हुंकार भर रहे हैं। यह बयान तब आया है जब संसद मार्च के दौरान युवाओं पर पुलिसिया कार्रवाई हुई है। रोहित पवार ने भी सरकार को चेतावनी दी थी कि युवाओं पर छोड़ी गई गैस का असर सरकार की आंखों में आंसुओं के रूप में दिखेगा।

संसद में गूंजा पेपर लीक का मुद्दा....

सीजेपी प्रोटेस्टर की आवाज बने खरगे,राज्यसभा में हुआ बवाल

नई दिल्ली/ एजेंसी

संसद भवन के समीप जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन कर रहे छात्रों को मुद्दा सोमवार को संसद में उठाया गया। कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह विषय राज्यसभा में रखा। उन्होंने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि जंतर मंतर पर बड़ी संख्या में छात्र नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इन छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि यह छात्रों का मामला है। वह सदन में देश के लाखों छात्रों के भविष्य के बारे में बात कर रहे हैं। खरगे ने कहा कि जंतर मंतर पर आज हजारों बच्चे आए हैं और उन पर लाठीचार्ज हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चंदा चोरी की भी बात की। इसके बाद सदन में शोर मचना प्रारंभ हो गया। इस पर सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदन की करवाई को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। संसद का मानसून सत्र प्रारंभ होने पर सोमवार को राज्यसभा में नीट परीक्षा और कथित पेपर लीक मामले को लेकर विपक्ष ने प्रश्न उठाया। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि यह सिर्फ राजनीतिक विषय नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला है। खरगे ने कहा कि उन्हें पेपर लीक और नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं पर अपनी बात रखने का अवसर मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, जबकि देशभर के लाखों छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों की

आवाज को सुना जाना चाहिए और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने अपने संबोधन में जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में छात्र अपनी मांगों को लेकर वहां एकत्र हुए हैं। यहां उनके साथ कठोर व्यवहार किया गया। खरगे ने कहा कि लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्द है। खरगे के वक्तव्य के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। दोनों पक्षों के सदस्य अपनी-अपनी सीटों से खड़े होकर नारेबाजी करने लगे, जिससे सदन का माहौल काफी गर्म हो गया। देखते ही देखते हंगामा बढ़ गया और सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाना मुश्किल हो गया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने हंगामा जारी रहने पर राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और साझा विपक्ष जनता की आवाज बनकर सरकार से हर सवाल का जवाब मांगेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए अपने मुद्दों पर जानकारी दी। उन्होंने लिखा, आज से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में कांग्रेस पार्टी और साझा विपक्ष जनता की आवाज बनकर मोदी सरकार से हर सवाल का जवाब मांगेगी।

हंगामे की भेंट चढ़ा पहला दिन, विपक्ष के विरोध के बीच दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार को दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई है, क्योंकि पीठासीन अधिकारी के बार-बार आग्रह के बावजूद विपक्ष ने नारेबाजी बंद नहीं की। सोमवार को सदन की कार्यवाही सातवीं बार स्थगित करनी पड़ी। संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन सोमवार को जब सदन की बैठक शुरू हुई, तो कार्यवाही के दौरान विपक्ष की तरफसे भारी हंगामा और लगातार नारेबाजी होती रही। पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने विपक्षी सांसदों से सदन की मर्यादा बनाए रखने का आग्रह किया लेकिन सांसदों ने नारेबाजी जारी रखी।

50 सीटों के साथ इसी सत्र से शुरू होगा मेडिकल कॉलेज : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान-2026 में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उनके साथ जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्कूल के विद्यार्थियों, स्काउट-गाइड, एनसीसी कैडेट्स, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, शहरवासियों और ग्रामीणों ने भी बड़ी संख्या में पौधे लगाए। महाअभियान के दौरान मेडिकल कॉलेज परिसर में फलदार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान में पौधारोपण करते हुए कहा कि कवर्धा में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन नहीं, बल्कि जिले की आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा ऐतिहासिक कार्य होगा, जिसे लोग आने वाले सौ वर्षों तक शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाए रखेगा। आज उसी संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और आज परिसर की चारों दिशाओं में व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जा रहा है। यह प्रदेश के सबसे तेज गति से बन रहे मेडिकल कॉलेजों में से एक है। उन्होंने अधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए सतत प्रयास करने कहा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी शैक्षणिक सत्र से मेडिकल कॉलेज का संचालन 50 सीटों के साथ प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा का अवसर मिलेगा तथा स्वास्थ्य सेवाएं भी मजबूत होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि कवर्धा के सभी चिकित्सक मेडिकल कॉलेज के सफल संचालन और विकास के लिए सहयोग देने को तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कार्य किया गया, उसी प्रकार समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित कर मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण भी वर्ष 2027 जुलाई तक पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कार्य तय समय-सीमा और संकल्प के साथ किया जाए तो लक्ष्य अवश्य प्राप्त होता है। उप मुख्यमंत्री ने जिले को हराभरा बनाने के लिए कार्य कर रही हरीतिमा टीम की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने में टीम का योगदान उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि आज समाज के हर वर्ग की सहभागिता इस अभियान में देखने को मिली है। यह केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का अभियान है। उन्होंने अपने पुराने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि जिले में युवाओं की सकारात्मक भागीदारी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने नेऊर गांव के युवाओं द्वारा ग्रामवासियों के सहयोग से चौक का सौंदर्यीकरण एवं महापुरुषों की प्रतिमाओं की स्थापना जैसे कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही ऑटो संघ, बस एवं ट्रक मालिक संघ सहित विभिन्न संगठनों के योगदान को भी सराहा। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा में सियान सदन का निर्माण प्रारंभ हो चुका है, जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपयोगी सुविधा सिद्ध होगा। वृक्षारोपण महाअभियान में वरिष्ठ नागरिकों सहित समाज के विभिन्न वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधारोपण किया। महाअभियान में व्यापारी संघ, अधिवक्ता संघ, बोल बम समिति, स्वामी विवेकानंद एकेडमी, प्राइवेट स्कूल संघ, प्रभात फेरी समूह, कार पेंटर संघ, राज मिस्त्री संघ, सेलून संघ, होटल व्यापारी संघ, रईस मिल संघ, नवजीवन रक्तदान समिति, लायंस क्लब, होटल व्यापारी संघ, गुड़ फैक्ट्री के संघ के प्रतिनिधि, यूथ क्लब, स्वच्छता दीदियां, सब्जी विक्रेता संघ, ठेकेदार संघ, समाज प्रमुख तथा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भागीदारी निभाई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, डॉ. वीरेन्द्र साहू, नितेश अग्रवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, लोकचंद साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : विजय शर्मा

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जिले के आठ स्वास्थ्य संस्थानों को कवर्धा में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन प्रमाणन केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संस्थानों की बेहतर कार्यप्रणाली और मरीजों के प्रति संवेदनशील सेवाओं का प्रमाण है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर पलानसरी, मिनमिनिया, गोछिया, वीरेंद्रनगर, गौरमाटी, धरमगढ़, गेंदपुर एवं रंजीतपुर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, डॉ. वीरेन्द्र साहू, नितेश अग्रवाल, पूर्व विधायक सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, लोकचंद साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। जिले की 60 शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणपत्र प्राप्त कर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह प्रमाणपत्र स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध उत्कृष्ट गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाओं एवं रोगी-केंद्रित देखभाल का प्रमाण है। यह उन संस्थानों को प्रदान किया जाता है, जो सेवा प्रावधान, रोगी अधिकार, समर्थन सेवाएं, नैदानिक सेवाएं, संक्रमण नियंत्रण तथा गुणवत्ता प्रबंधन जैसे कठोर मानकों पर खरे उतरते हैं। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के लिए स्वास्थ्य संस्थानों को निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार व्यापक तैयारी करनी होती है। इसके बाद जिला एवं राज्य स्तरीय टीम संस्था का निरीक्षण कर दस्तावेजों का परीक्षण, साक्षात्कार, साफ सफाई, आवश्यक दवाइयों एवं जांच किट की उपलब्धता, भवन की स्थिति, जल एवं विद्युत आपूर्ति तथा मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं का मूल्यांकन करती है।

नगर निगम का अभियान जारी, अवैध कब्जों पर चलाया बुलडोजर

शीतला मंदिर नेहरू उद्यान के पास के अतिक्रमण पर निगम की टीम ने की कार्रवाई

राजनांदगांव। बारिश में सुचारू पानी निकासी एवं सुगम यातायात की दृष्टिकोण से नगर निगम द्वारा अतिक्रण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में शीतला मंदिर नेहरू उद्यान के पास से अनाधिकृत रूप से रखे ठेला हटाने की कार्यवाही निगम के अतिक्रमण दस्ता द्वारा किया गया। इसी प्रकार ममता नगर रोड में पानी निकासी के लिए चबूतरे तोडे गये। ज्ञात हो कि शीतला मंदिर नेहरू उद्यान के आस पास अतिक्रमण कर 5-6 ठेला रखा गया था, जिससे आवागम बाधित होने के साथ साथ गंदगी फैल रही थी। ठेलों को अतिक्रमण हटाव अभियान के तहत निगम आयुक्त जीआर मरकाम के निर्देश पर नगर निगम की अतिक्रमण दस्ता ने मानव गैंग एवं जेसीबी के माध्यम से हटाने की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार ममता नगर रोड में अण्डर ब्रिज के पास पानी निकासी में आ रही बाधा को हटाने प्लेटफाम को तोड़ा गया। यह अभियान निरंतर जारी रहेगी। आयुक्त मरकाम ने शहर को स्वच्छ एवं साफ रखने सहयोग करने नागरिकों एवं व्यापारियो से अपील करते हुये कहा है कि शहर के चौक चैराहों एवं रोड में पसरा व ठेला खोमचा न लगावे। रोड़ में पसरा आदि लगाने से यातायात बाधित होने के साथ साथ दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसी प्रकार अतिक्रमण करने से पानी निकासी प्रभावित होती है। साथ ही सडक में मलमा या मटेरियल रखने से गंदगी फैलती है। उन्होने कहा कि निगम का अतिक्रमण दस्ता हटाने की कार्यवाही करेगी उससे पूर्व हटा लेवे अन्यथा बिना सूचना हटाकर जुर्माना वसूला जावेगा।

22 जुलाई को होगा नगर पंचायत अड़भार के नव मनोनीत पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह

सक्ती। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा विगत दिनों शक्ति जिले के नगर पंचायत अड़भार के लिए मनोनीत किए गए पार्षद नवनियुक्त एल्डरमेंनो का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 22 जुलाई 2026 दिन- बुधवार को शाम 4:00 बजे से नगर पंचायत कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया है।उपरोक्त जानकारी देते हुए नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि 22 जुलाई को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा शक्ति जिले के अध्यक्ष टिकेश्वर सिंह गबेल एवं भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संयोगिता युद्धवीर सिंह जूदेव होंगे तथा शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष कृष्णा रात्रे करेंगे तथा इस शपथ ग्रहण समारोह के दौरान शासन द्वारा नव नियुक्त एल्डरमेंनो को शपथ दिलाई जाएगी।

केंद और राज्य सरकार की योजनाओं की ली जानकारी शिक्षा-निर्माण पर भी चर्चा, अधिकारियों को दिए निर्देश

शासकीय योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन करने कहा

राजनांदगांव। पदभार ग्रहण करने के बाद जिला पंचायत सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने जिले का दौरा शुरू कर दिया है। उन्होंने पीएम आवास की स्थिति, निर्माण कार्य, मध्यान भोजन सहित अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को समय के साथ पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करने की बात कही। सीइओ अधिकारी ने जनपद पंचायत छुरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत महाराजपुर, खोभा एवं केशोटोला का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत महाराजपुर में पूर्व माध्यमिक शाला, आंगनबाड़ी केंद्र तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पूर्ण एवं निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों से संवाद कर विभिन्न शासकीय योजनाओं से प्राप्त लाभ की जानकारी ली। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही पूर्व माध्यमिक शाला में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का अवलोकन कर विद्यालय परिसर में निर्मित प्रार्थना शेड का भी निरीक्षण किया।

महिलाओं से भी की चर्चा, बिजली व्यय की भी ली जानकारी

सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत खोभा में आवास पारा में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों तथा निर्माणाधीन रिचार्ज शाफ्ट का निरीक्षण किया। महिला स्वसहायता समूह द्वारा संचालित दुकान का अवलोकन करते हुए समूह की महिलाओं से उनकी आय एवं आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली तथा उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सरपंच, पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में सूर्य सभा का आयोजन किया गया। सीईओ जिला पंचायत ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह योजना बिजली व्यय में बचत के साथ-साथ स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम पंचायत केशोटोला में नवाचार एवं श्रमदान से विकसित की जा रही आवास वाटिका का निरीक्षण किया तथा इसके बेहतर विकास के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राष्ट्रीय सह साधन प्रावीण्य परीक्षा में श्रद्धा इंदौरिया को मिला राज्य की प्रावीण्य सूची में स्थान

सपने को साकार किया शिक्षिका अंजना सिंह ने

कुम्हारी। सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने तो वो होते हैं जो हमें सोने ही नहीं देते इस कहावत को चरितार्थ किया है, सेजस जंजगिरी की एक शिक्षिका अंजना सिंह ने। धमधा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले विद्यालय की छात्रा श्रद्धा इंदौरिया ने प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने के उनके सपने को पूरा किया। इस वर्ष राष्ट्रीय सह साधन प्रावीण्य परीक्षा में छत्तीसगढ़ राज्य की प्रवीण्य सूची में टॉप 10 में अपना स्थान बनाकर श्रद्धा ने धमधा विकासखंड के इतिहास के पन्नो में अपना और अपनी शिक्षिका दोनों का नाम सुनहरे अक्षरों में लिख दिया है। इसके साथ उसने अपने माता पिता, अपने गांव जंजगिरी एवं समस्त शाला परिवार को भी गौरवान्वित किया और एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। उन्हें इस राष्ट्रीय स्तर की स्कालरशिप परीक्षा में कुल 146 अंक प्राप्त हुए हैं जो की एक बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन है। इस वर्ष शाला से कुल 4 छात्र छात्राओं श्रद्धा इंदौरिया,जया देवांगन, गगन साहू एवं लाभेश गुप्ता को इस परीक्षा में विशेष सफलता हासिल हुई है द्य इस तरह विगत 5 वर्षों में हर वर्ष सेजस जंजगिरी के विद्यार्थियों का ताबड़तोड़ चयन का सिलसिला जारी है। आगे पत्रकार से बातचीत के दौरान शिक्षिका ने बताया कि राष्ट्रीय सह साधन प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में कुल दो पेपर होते हैं। प्रथम प्रश्न पत्र रीजनिंग पर आधारित होता है एवं द्वितीय प्रश्न पत्र में तीनों मुख्य विषयो पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। दोनों परीक्षाओं में अलग-अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है। इन विद्यार्थियों ने आवश्यक अंक प्राप्त करके चयनित होकर दुर्ग जिले के धमधा ब्लॉक का नाम पूरे देश में रोशन किया है। ज्ञातव्य है कि हर चयनित विद्यार्थी को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए नवमी से बारहवीं तक हर वर्ष 12,000 रुपए सालाना मिलेंगे । इस तरह चार साल में कुल 48,000 रुपये हर चयनित विद्यार्थी को मिलेंगे।

प्रवेश द्वारों से हटेगा अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग व ठेलों पर होगी कार्रवाई

इंदिरा मार्केट की यातायात एवं व्यापारिक व्यवस्था सुधारने प्रशासन का संयुक्त निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र इंदिरा मार्केट की यातायात एवं व्यापारिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आज व्यापारी संघ के पदाधिकारी कलेक्टर अभिजीत सिंह से मुलाकात करने कलेक्ट्रेट पहुंचे परन्तु कलेक्टर के भ्रमण पर रहने से मुलाकात नहीं होने के कारण व्यापारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अपर कलेक्टर (एडीएम) वीरेंद्र सिंह से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया तथा एडीएम के निर्देश पर आज डिप्टी कलेक्टर प्रफुल्ल कुमार गुप्ता ने नगर निगम सभापति श्याम शर्मा, नगर निगम अधिकारी/कर्मचारी सहित ट्रैफिक पुलिस, व्यापारी संघ के प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बाजार की वर्तमान व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए व्यापारियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनी गईं। व्यापारियों ने बताया कि इंदिरा मार्केट के विभिन्न प्रवेश द्वारों पर अघोषित रूप से वाहन, ठेले एवं अन्य सामग्री खड़ी रहने से ग्राहकों एवं आम नागरिकों की आवाजाही प्रभावित होती है। बाजार में आने-जाने में असुविधा होने के कारण व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। व्यापारियों ने मांग की कि सभी प्रवेश मार्गों को बाधा मुक्त रखा जाए तथा अव्यवस्थित रूप से व्यवसाय कर रहे ठेलों एवं अनलोडिंग के बाद लंबे समय तक खड़े रहने वाले वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बाजार की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान सहमति बनी कि इंदिरा मार्केट के सभी प्रवेश द्वारों को सुगम एवं व्यवस्थित रखा जाएगा। अनलोडिंग कार्य पूर्ण होने के बाद अनावश्यक रूप से खड़े रहने वाले वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही व्यापारियों से भी अपील की गई कि वे अपने निजी वाहनों को दुकान के सामने खड़ा करने के बजाय निर्धारित पार्किंग स्थल में ही रखें, ताकि बाजार में यातायात सुचारु बना रहे। डिप्टी कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजार क्षेत्र में नियमित निगरानी रखी जाए तथा यातायात और व्यापारिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अतिक्रमण एवं अव्यवस्थित पार्किंग पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और व्यापारियों के आपसी समन्वय से इंदिरा मार्केट को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुगम बनाया जाएगा, जिससे व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान व्यापारी संघ के पदाधिकारी, कोतवाली थाना प्रभारी, ट्रैफिक पुलिस एवं नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वस्थ और खुशहाल जीवन के लिए नियमित रूप से योग करें

बेमेतरा। शासकीय प्राथमिक शाला व शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला टकसींवा विकासखंड बेरला में प्रत्येक शनिवार की भाँति बच्चों को योग कराया गया। जैसे सूक्ष्म व्यायाम, ताड़ासन, हस्तपाद आसन, तिर्यक ताड़ासन, कटी चक्र आसान, उत्कट आसान आदि आसनों का अभ्यास कराया गया, तथा आसनों के साथ लाभ बताया गया। ताड़ासन शरीर और मन की एकाग्रता को बढ़ाता है। योग शरीर की मांस पेशियों को सक्रियता प्रदान करता है। वृक्षासन - वृक्ष के समान स्थिर व दृढ़ बनाती है। चित्त को एकाग्र तथा मन को शांत रखता है। भ्रामरी प्राणायाम स्मरण शक्ति को बढ़ाती है और डिप्रेसन, माइग्रेन, एंजायटी, भय तथा कैंसर जैसे असाध्य रोगों को ठीक करता है। की गहराई के लिए भ्रामरी प्राणायाम को 11 से 21 बार निरंतर अभ्यास कर सकते हैं। देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार से प्रशिक्षित, योग प्रशिक्षिका सूर्य किरण साहू ने बताया कि प्राणायाम करने से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर होता है। यह मानसिक तनाव, उच्च रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) और चिंता को कम करने में अत्यधिक प्रभावी है। इसके नियमित अभ्यास से मन शांत होता है, पाचन शक्ति सुधरती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) मजबूत होती है। उन्होंने बताया कि प्राणायाम करने का सबसे उत्तम समय सुबह खाली पेट सुबह 5:00 से 7:00 बजे तक होता है।

संक्षिप्त समाचार

केसीसी लोन दिलाने का झांसा देकर किसान से 16.40 लाख की ठगी, फर्जी बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

रायपुर। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) लोन स्वीकृत कराने का झांसा देकर एक किसान से 16.40 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में केसीजी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को बैंक कर्मचारी बताकर किसान का विश्वास जीतता था और लोन स्वीकृत कराने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, ग्राम गर्रा निवासी दिनाराम जंघेल (55 वर्ष) ने थाना छुईखदान में शिकायत दर्ज कराई थी कि अर्पित देवांगन (28 वर्ष), निवासी दुर्गा चौक, राजनांदगांव ने स्वयं को बैंक कर्मचारी बताते हुए किसान क्रेडिट कार्ड लोन दिलाने और बैंक में राशि जमा कराने का भरोसा दिलाया। आरोपी ने इसी बहाने प्रार्थी से अलग-अलग किस्तों में 16 लाख 40 हजार रुपये ले लिए, लेकिन न तो लोन स्वीकृत कराया और न ही रकम वापस की। शिकायत के आधार पर थाना छुईखदान में 14 जुलाई 2026 को अपराध क्रमांक 261/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 319(2) के तहत मामला कायम किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना छुईखदान पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। जांच के दौरान आरोपी का पता लगाकर 16 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे उपजेल सलोनी न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस ने आम नागरिकों, विशेषकर किसानों से अपील की है कि बैंक लोन या किसी भी वित्तीय योजना के नाम पर राशि जमा करने से पहले संबंधित बैंक या अधिकृत संस्था से जानकारी की पुष्टि अवश्य करें। किसी भी संदिग्ध प्रस्ताव या व्यक्ति के झांसे में आने से बचें और धोखाधड़ी की आशंका होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें।

16 करोड़ के गांजा तस्करी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, 4 और तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में करीब 16 करोड़ रुपये के अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बलरामपुर पुलिस और ओडिशा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में गांजा तस्कर गिरोह के चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। पुलिस जांच में अब तक 3,139 किलोग्राम से अधिक गांजा की तस्करी का खुलासा हुआ है। जांच के दौरान सामने आया कि तस्कर गांजा को नारियल की भूसी में छिपाकर राजस्थान भेजते थे, ताकि पुलिस और जांच एजेंसियों की नजर से बच सकें। यह कार्रवाई बसंतपुर थाना में दर्ज दो बड़े एनडीपीएस मामलों की जांच के दौरान की गई। बलरामपुर पुलिस और ओडिशा एसटीएफ की संयुक्त एंड-टू-एंड जांच से अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क की कई परतें खुली हैं। पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में लगातार कार्रवाई जारी है और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। जांच के आधार पर आगे भी गिरफ्तारियां होने की संभावना है। बलरामपुर पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिले में नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह सख्ती के साथ जारी रहेगा।

अमलीडीह में लाखों की चोरी करने वाला शातिर चोर 3 नाबालिग सहयोगियों समेत पकड़ाया

रायपुर। राजधानी रायपुर के अमलीडीह स्थित एक घर में हुई लाखों रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा न्यू राजेंद्र नगर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक शातिर चोर और तीन विधि के साथ संघर्षरत बालकों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी का करीब 7.71 लाख रुपये का माल बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक, बी.एस.यू.पी. कॉलोनी अमृत होम, अमलीडीह निवासी बिस्वम्बर महानंद ने 23 जून 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे घर में ताला लगाकर पंडरी गए थे। करीब 2 बजे लौटने पर घर के पीछे का दरवाजा खुला मिला और आलमारी व उसके लॉकर टूटे हुए थे। चोर सोने-चांदी के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए थे। इस मामले में न्यू राजेंद्र नगर थाने में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी विश्लेषण किया और मुखबिरों को सक्रिय किया। इसी बीच सूचना मिली कि शातिर चोर पवन मंडल घटना के समय संदिग्ध अवस्था में इलाके में देखा गया था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने तीन नाबालिग साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि चोरी किए गए सोने के जेवरातों को गलवा दिया था। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर करीब 50 ग्राम गलाया हुआ सोना, चांदी के जेवर और नकदी सहित कुल 7.71 लाख रुपये का सामान बरामद कर लिया।

पीएसवाय राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मोबाइल और डिजिटल एडिक्शन से बचें, मानव बुद्धि ही सर्वोच्च है

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बच्चों के बीच आकर उन्हें अपना बचपन याद आ जाता है। आज जीवनशैली पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि उनके समय में सीमित संसाधनों के बीच पढ़ाई होती थी, तथा मेहनत और लगन ही सफलता का आधार थी। आज इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस युग में सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन विद्यार्थियों को अपनी मौलिक सोच और अध्ययन की आदत को बनाए रखना चाहिए। राज्यपाल डेका ने शनिवार को रायपुर के विमतारा ऑडिटोरियम में पीएसवाय एजुकेशन एवं रिसर्च फेडरेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान समारोह एवं पदक तथा निधि वितरण 2026 के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों के मेधावी विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट जिला शिक्षा अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि छात्र जीवन की मित्रता सबसे निर्मल और अमूल्य होती है, जिसे जीवनभर संजोकर रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार की लत से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि डिजिटल एडिक्शन भी अन्य नशों की तरह हानिकारक है। मोबाइल का उपयोग केवल आवश्यक अध्ययन और उपयोगी कार्यों तक सीमित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के समय में गूगल और एआई उपयोगी साधन हैं, लेकिन वे मानव बुद्धि का विकल्प नहीं बन सकते। जीवन में गूगल इफेक्ट नहीं होना चाहिए। सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता ही मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। राज्यपाल ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे

बच्चों की प्रतिभा और रुचि को पहचानें तथा उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि हर बच्चा आईआईटी या मेडिकल के क्षेत्र में ही जाए, यह आवश्यक नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों की विविध प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए अनेक नए पाठ्यक्रम और विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। आज प्रत्येक क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं और नवाचार के लिए पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने सपने बड़े रखें। व्यक्ति किस पृष्ठभूमि से आता है, यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उसकी मेहनत, लगन और संकल्प ही उसका भविष्य तय करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल सफल व्यक्ति ही खुश हो, यह आवश्यक नहीं है, बल्कि संतुष्ट व्यक्ति ही वास्तविक रूप से प्रसन्न रहता है। परिवार, पड़ोसियों और मित्रों के साथ सौहार्द एवं शांति से जीवन जीना ही सच्ची सफलता है। राज्यपाल ने कहा कि आज यहां सम्मानित होने वाले प्रत्येक विद्यार्थी की उपलब्धि केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उसके माता-पिता के त्याग और गुरुजनों के मार्गदर्शन का भी परिणाम है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की तुलना दूसरों से न करने का आग्रह करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। उसे अंधी प्रतिस्पर्धा में धकेलने के बजाय उसकी रुचि और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। जब बच्चा अपनी पसंद के क्षेत्र में कार्य करता है, तभी उसकी उत्कृष्ट प्रतिभा निखरकर सामने आती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे चलकर आत्मनिर्भर भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, विधायक तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं।

बालिका गृह की शिवबती बनी बेटियों के लिए प्रेरणा

- कठिन चुनौतियों के बीच अपने सपनों को कर रही साकार
- संभाग स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया क्वालीफाई

रायपुर। संवाददाता

कठिन परिस्थितियाँ अक्सर जीवन की राह को चुनौतीपूर्ण बना देती हैं, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति, उचित मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। कोंडागांव जिला प्रशासन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कोंडागांव में संचालित छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद, बालिकागृह की शिवबती ने अपने संघर्ष और प्रतिभा के दम पर यह साबित कर दिखाया है। श्रवण दिव्यांग शिवबती का बचपन अनेक कठिनाइयों से भरा रहा। बीमारी के कारण उन्होंने कम उम्र में अपनी माँ को खो दिया और कुछ समय बाद नक्सली हिंसा में पिता का साया भी सिर से उठ गया। माता-पिता के निधन के बाद उनके चाचा ने उन्हें बालिकागृह में प्रवेश दिलाया। जीवन की इन विषम परिस्थितियों के बावजूद शिवबती ने हार मानने के बजाय अपने सपनों को नई दिशा देने का संकल्प लिया। बालिकागृह में उन्हें सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संरक्षण और अपनी प्रतिभा को निखारने के अवसर मिले। तीरंदाजी में रुचि को देखते हुए उन्हें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण दिलाया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बहतराई (बिलासपुर) में हुआ, जहाँ उन्होंने एक वर्ष तक उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

आय से अधिक संपत्ति मामले में रिटायर्ड बीज प्रबंधक गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के सेवानिवृत्त बीज प्रबंधक राजेन्द्र सिंह क्षत्रीय (63) को आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में आरोपी के पास 5.28 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति और खर्च का खुलासा हुआ है। ईओडब्ल्यू-एसीबी के अनुसार, राजेन्द्र सिंह क्षत्रीय सरगुजा जिले के अजिरमा स्थित प्रक्रिया केंद्र में उत्पादन सहायक रहे और बाद में बीज प्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनके खिलाफ वर्ष 2020 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विस्तृत जांच की गई थी।

अविश्वास प्रस्ताव पर भूपेश का हमला

ढाई साल में हर मोर्चे पर विफल रही भाजपा सरकार-भूपेश बघेल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। करीब एक घंटे के भाषण में उन्होंने 136 बिंदुओं के आरोप गिनाते हुए कहा कि ढाई साल में सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है और ऐसा लगता है कि राज्य को कोई अदृश्य शक्ति चला रही है। भूपेश बघेल ने कृषि, कानून-व्यवस्था, खाद संकट, धान खरीदी, तेंदूपत्ता, राशन वितरण, वित्तीय प्रबंधन, स्वास्थ्य और आदिवासी क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप

लगाया कि किसानों को समय पर यूरिया और डीएपी नहीं मिल रहा, धान खरीदी व्यवस्था चरमरा गई है और किसान महंगे दामों पर खाद खरीदने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से किसानों को प्रति बोरी सैकड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। कानून-व्यवस्था पर बघेल ने सीतापुर, बलौदाबाजार और अन्य घटनाओं का उल्लेख करते हुए सरकार पर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन, नकली खाद, महादेव एप और जंगलों की कटाई जैसे मामलों में सरकार की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। तमनार और हसदेव क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने आदिवासी हितों की अनदेखी का आरोप भी लगाया। भाषण के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों ने कई बार हस्तक्षेप किया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने खाद संकट के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसानों को भ्रमित किया जा रहा है। वहीं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत बताते हुए कहा कि सरकार योजनाबद्ध तरीके से बजट चला रही है।

गांजा तस्करी के मामले दर्ज....4.5 किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर में साइबर ठगी, सड़क दुर्घटना, मारपीट, धमकी और मादक पदार्थों की तस्करी सहित विभिन्न मामलों में पुलिस ने अलग-अलग थानों में अपराध दर्ज किए हैं। सबसे बड़ी कार्रवाई तेलीबांधा थाना क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस ने 4.5 किलो गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। मोवा थाना क्षेत्र के दुबे कॉलोनी निवासी घनश्याम साहू ने शिकायत दर्ज कराई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने स्नैपचैट पर युवती के नाम से फर्जी आईडी बनाकर उससे दोस्ती की। आरोपी ने झांसे में लेकर अलग-अलग किश्तों में 65 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के घड़ी चौक के पास तेज और लापरवाही से चलाए जा रहे ई-रिक्शा के पलटने से उसमें सवार महिला घायल हो गई। पीड़ित के पुत्र की शिकायत पर चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 और 125-ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के प्रियदर्शिनी नगर में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने पीड़ित का मोबाइल फोन और टिफिन भी तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के गोकुल नगर में एक युवक पर अपनी मां के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज किया है। दीनदयाल उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में पैसे के लेन-देन को लेकर दो अलग-अलग मामले दर्ज हुए हैं। एक मामले में अलीसा मोटर्स, रायपुरा चौक के पास एक युवक पर कुर्सी और लोहे के पाना से हमला कर घायल करने का आरोप है। वहीं दूसरे मामले में चंगोराभाठा स्थित शिव मंदिर के पास पुरानी रंजिश में युवक से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया। इसी घटनाक्रम से जुड़े एक अन्य मामले में शेख सलीम की शिकायत पर दाऊद असरफ के खिलाफ भी मारपीट और धमकी देने का अपराध दर्ज किया गया है।

किसानों ने अपनाया लाभकारी फसलों का विकल्प हो रहा है, किसानों की आमदनी में इजाफ

रायपुर। राज्य के किसान लाभकारी फसलों की तरफ बढ़ रहे हैं जिससे उनकी आमदनी में इजाफा हो रहा है, महासमुंद जिले में खरीफमौसम के दौरान धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा लगातार किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी प्रयास के तहत जिले में लगभग 1,000 हेक्टेयर क्षेत्र में मूंगफली की खेती की जा रही है। यह पहल किसानों की आय बढ़ाने, जल संरक्षण तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। कृषि उपसंचालक श्री एफ.आर कश्यप ने बताया कि सरायपाली विकासखंड के ग्राम बोंदानवापाली के किसान श्री फगू लाल कैवर्त और श्री नंदकुमार कैवर्त इस बदलाव के साक्षी हैं। दोनों किसानों ने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के अंतर्गत धान के स्थान पर 0.40-0.40 हेक्टेयर क्षेत्र में 1 जुलाई 2026 को मूंगफली की बुवाई की। इन किसानों का कहना है कि मूंगफली की खेती में धान की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। साथ ही इसकी लागत अपेक्षाकृत कम होने के कारण लाभ की संभावना अधिक रहती है। कृषि विभाग के मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग से उन्होंने समय पर बुवाई कर वैज्ञानिक विधियों को अपनाया है, जिससे अच्छी उपज की उम्मीद है।

शकुंतला फाउंडेशन ने 101 चिकित्सकों को सम्मानित किया

रायपुर। संवाददाता

मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानने वाली सामाजिक संस्था शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की ओर से चिकित्सकों के सम्मान में भव्य 'आरोग्य शिरोमणि सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नि:स्वार्थ भाव से स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले 101 से अधिक चिकित्सकों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के डॉक्टरों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। संस्था ने चिकित्सा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और समाज के प्रति समर्पण को सराहते हुए सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अजय सहाय (डायरेक्टर, सहाय अस्पताल), डॉ. प्रतीक धावलिया (ऑर्थोपेडिक सर्जन), डॉ. ज़ावेद परवेज, डॉ. प्रतीक पांडे (वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ,अस्पताल), डॉ. ए. सुरेश कुमार (अशोक सेंटर), डॉ. कृष्णकांत साहू (वरिष्ठ हृदय रोग सर्जन, मेकाहारा), स्मिता सिंह (संस्थापिका, शकुंतला फाउंडेशन) और डॉ. रूपेन्द्र कवि (डिप्टी सेक्रेटरी) उपस्थित रहे। समारोह में छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचलों से आए चिकित्सकों ने भी भाग लिया। झीट, दुर्ग और विभिन्न सरकारी अस्पतालों से पहुंचे डॉक्टरों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. विनीता धुर्वे, डॉ. निर्मला गुप्ता, डॉ. मेघराज साहू, अनामिका गुहा रॉय, निशा यज्ञेश सोनी, डॉ. सुमेधा श्रीवास्तव, डॉ. अपर्णा वर्मा और अंकिता मिश्रा का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में [illegible] अस्पताल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतीक पांडे ने 'नवजात बच्चों में हृदय विकृतियां' विषय पर जानकारी साझा की। उन्होंने उपस्थित लोगों के सवालों के जवाब भी दिए और हृदय संबंधी समस्याओं को लेकर जागरूक किया। समारोह के दौरान शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति ने भी सभी का मन मोह लिया। शकुंतला फाउंडेशन की संस्थापिका स्मिता सिंह ने कहा कि समाज में सेवा भाव से कार्य करने वाले चिकित्सकों का सम्मान करना संस्था का दायित्व है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और समाज में नि:स्वार्थ सेवा की भावना को प्रोत्साहन मिलता है। कार्यक्रम में श्याम प्रकाश साहू, विशाल मिश्रा, अनामिका गुहा और संजना सिंह सहित अनेक नागरिक भी मौजूद रहे। समारोह को चिकित्सकों और उपस्थित नागरिकों ने सराहा।

राजमेरगढ़ बनेगा छत्तीसगढ़ का नया पर्यटन आकर्षण

बैगा संस्कृति, प्राकृतिक धरोहर और स्थानीय आजीविका को मिलेगा नया विस्तार-कलेक्टर

रायपुर। संवाददाता

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने ठोस पहल तेज कर दी है। कलेक्टर विजय दयाराम के. स्वयं मैदान में उतरकर जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने राजमेरगढ़ का विस्तृत भ्रमण कर निर्माणाधीन बैगा कुटीर सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया तथा पर्यटन अधोसंरचना को अधिक आकर्षक, सुविधायुक्त और स्थानीय संस्कृति के अनुरूप विकसित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने राजमेरगढ़ पहाड़ की चोटी पर

निर्माणाधीन बैगा कुटीर का अवलोकन करते हुए कहा कि इसका निर्माण प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप आकर्षक, पारंपरिक और हवादार स्वरूप में किया जाए, ताकि यह बैगा जनजातीय संस्कृति और स्थानीय पहचान का सशक्त प्रतीक बन सके। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटकों को बैगा समाज की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति और जीवन शैली से परिचित कराने का यह महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। आगामी सावन माह में ज्वालेश्वर धाम में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संभावित बढ़ती संख्या को देखते हुए उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ज्वालेश्वर धाम, माई का मड़वा, दुर्गाधारा तथा ठाड़ पथरा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां विकसित पर्यटन अधोसंरचना, मूलभूत सुविधाओं और पर्यटकों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार एवं सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी पर्यटन स्थलों पर स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिससे अधिक से अधिक पर्यटक यहां आएं और जिले की पर्यटन पहचान सशक्त हो। कलेक्टर ने पर्यटन प्रबंधन समितियों के सदस्यों से संवाद कर उनकी आय-व्यय व्यवस्था, पर्यटन गतिविधियों तथा स्थानीय रोजगार और आजीविका से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली।

संपादकीय

यूपी में वारदात को अंजाम देने से पहले कानून से खौफ खाते हैं अपराधी?

वहीं मजदूरी कर रहे परिवार की उस बच्ची को बहला-फुसला कर ले जाया गया और इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया। उत्तर प्रदेश में सरकार का दावा रहा है कि उसने अपराध और अपराधियों के खिलाफ जिस स्तर पर सख्ती और कार्रवाई की है, उसकी वजह से राज्य की जनता खुद को सुरक्षित महसूस करती है। खासतौर पर महिलाओं के लिए एक सुरक्षित माहौल बना है और कहीं भी आने-जाने में उन्हें किसी तरह के असुरक्षा-भाव से नहीं गुजरना पड़ता।सरकार के इस तरह के दावे निश्चित रूप से आम जनता की सुरक्षा के लिहाज से अहम हैं, लेकिन सवाल है कि क्या राज्य में सरकार और पुलिस का प्रभाव वास्तव में इतना असरकारी है कि किसी भी वारदात को अंजाम देने से पहले अपराधी कानून से खौफ खाते हैं! गौरतलब है कि गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन इलाके में निर्माणाधीन व्यावसायिक परिसर में सात वर्षीय बच्ची का शव मिला, जिसकी हालत देख कर उससे बलात्कार के बाद उसकी हत्या की आशंका भी जताई गई है।

खबर के मुताबिक, वहीं मजदूरी कर रहे परिवार की उस बच्ची को बहला-फुसला कर ले जाया गया और इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया। इस घटना के अलावा भी हाल के दिनों में नाबालिग बच्चियों से बलात्कार या उनकी हत्या के अन्य मामले सामने आए और न्याय की मांग के साथ लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा।यह छिपा नहीं है कि आए दिन राज्य सरकार अपना प्रभाव साबित करने के उद्देश्य से अपराध को खत्म कर देने की दुहाई देती रहती है।

यह भी दावा किया जाता रहता है कि कानून के डर से अब अपराधी राज्य छोड़ कर भाग चुके हैं। अगर सरकार के दावे सही हैं, तो ऐसा क्यों है कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं दिखता और वे महिलाओं के विरुद्ध जघन्य अपराधों को अंजाम देने से भी नहीं हिचक रहे?यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि कई बार आपराधिक घटनाओं की संख्या थानों में दर्ज आंकड़ों के मुकाबले वास्तव में कहीं ज्यादा होती हैं। कहने को महिलाओं के लिए राज्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से कानून से लेकर हर स्तर पर चौकसी बरतने और हेल्पलाइन की व्यवस्था करने जैसे उपाय किए गए हैं।

मगर सच्चाई यह है कि सरकारी दावों के समांतर अभी भी ऐसा तंत्र सक्रिय करने की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए वास्तव में सुरक्षित माहौल बना सके।

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं।

(ललित गर्ग)

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। 14-15 जुलाई को अमेरिकी हमले में ईरान में 30 लोग मारे गए हैं। इस जंग से दुनिया चिंतित है।

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया । ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति शृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है।

भौगोलिकसंदर्भ

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है।

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे।

भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है। वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है। विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दूरदर्शिता की राह, मूलभूत आदर्शों और मूल्यों पर टिकी होती है मजबूत समाज की नींव

(एकता कानूनगो बक्षी)

हर अनुभव के साथ हमारा व्यक्तित्व परिष्कृत, मजबूत और सुदृढ़ बनने लगता है। न्यायपूर्ण और स्पष्ट निर्णय लेना धीरे-धीरे हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। युद्ध और सत्ता के संदर्भ में 'कूटनीति' और 'रणनीति' जैसे शब्द भले ही बड़े और जटिल प्रतीत होते हों, पर उनकी असली नींव अक्सर हमारे बचपन में ही रख दी जाती है। जब हम दिनचर्या के छोटे-बड़े लक्ष्य पूरे करने के लिए अपने अनूठे तरीकों का निर्माण कर रहे होते हैं, तब अनजाने में ही हम निर्णय लेने और संबंधों को संतुलित रखने की कला भी सीख रहे होते हैं। हमारे रोजमर्रा के काम- जैसे जब हम अपने लिए कुछ लेने से पहले आसपास के लोगों की आवश्यकता पूछ लेते हैं, या अपने काम को इस प्रकार करते हैं कि किसी और को उसके कारण असुविधा न हो- वहीं से इस समझ की शुरुआत होती है। जब छोटे-छोटे निर्णयों में हमें दूसरों का खयाल रखना, बांटना और धैर्य रखना सिखाया जाता है, साथ ही हमारे बड़े भी अपने आचरण से सही उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तब हम अपने लक्ष्य तक पहुंचने के मार्ग को केवल उसकी लंबाई या उससे मिलने वाले लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि नैतिकता और व्यापक दृष्टि से देखने लगते हैं। हर अनुभव के साथ हमारा व्यक्तित्व परिष्कृत, मजबूत और सुदृढ़ बनने लगता है। न्यायपूर्ण और स्पष्ट निर्णय लेना धीरे-धीरे हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। कहने को तो यह आचरण सामान्य शिष्टाचार की श्रेणी में आता है, जो लगभग हर व्यक्ति को बचपन में सिखाया जाता है, लेकिन भविष्य में जब जीवन अपना पूर्ण आकार लेता है और हमारे निर्णयों का प्रभाव पहले से कहीं अधिक व्यापक हो जाता है, तब हमारी कार्य-योजनाओं और निर्णयों को कूटनीति और रणनीति का नाम दे दिया जाता है।

जबकि हमारे भीतर बचपन में विकसित हुई वही कोमल संवेदनाएं और आदर्श ही हमारा मार्गदर्शन कर रहे होते हैं। सच यह है कि हमारे व्यक्तित्व के सोचने-समझने की दिशा बचपन में ही चुपके-चुपके तय होती रहती है, जब हमें परिवार से लेकर समाज और हमारे खेलने-कूदने से लेकर लेकर स्कूल तक में व्यवहारों आदि के संदर्भ में सिखाया जाता है। वह हमारा सामाजिक प्रशिक्षण होता है, जिसके जरिए हमारे जीने का ढंग तय होता है और इसके समांतर ही हम अपने सामने घटने वाली घटनाओं को लेकर राय बनाते हैं, अपने भीतर सिंचित आग्रहों के आधार पर उसका आकलन करते हैं। हां, बाद के दिनों में कुछ परिस्थितियों में अगर हमें अपने स्वतंत्र विवेक के साथ जूझने का मौका मिलता है और हम उसे स्वीकार करके सोचने-समझने की नई दिशा पर भी विचार करते हैं, तब हमारी 'कूटनीतिक' दिशा भी बदल सकती है। कई बार 'कूटनीति' को नकारात्मक अर्थों में देखा जाता है, जिसका वास्तविक कारण मनुष्य के भीतर की दुर्बलता होती है। जब व्यक्ति अपने भीतर आवश्यक जीवन-मूल्यों, आदर्शों और विचारों को पनपने का अवसर नहीं देता, तब उसके निर्णय स्वार्थ, संकीर्ण सोच या भय से प्रेरित होने लगते हैं। ऐसे में परिपक्व विचारों तथा न्यायसंगत और साहसिक योजनाओं की अपेक्षा करना ही अनुचित है। दरअसल, कूटनीति केवल परिस्थितियों को अपने पक्ष में मोड़ने की कला नहीं है, बल्कि यह एक चुनाव भी है- एक ऐसा चुनाव, जहां हम तत्काल लाभ और स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक हित, संतुलन और न्याय को प्राथमिकता देते हैं। यह वही समझ है, जो बचपन की सरल सीखों से विकसित होकर जीवन के जटिल निर्णयों में हमारा मार्गदर्शन करती है। हम किन आदर्शों को लेकर चलते हैं, यही निर्धारित करता है कि हमारे निर्णय किस दिशा में आकार लेंगे और हम कितने दृढ़ बन सकेंगे। आम जीवन में भी कूटनीति का अर्थ केवल छल या चतुराई नहीं है। जब व्यक्ति गंभीरता से अपने प्रत्येक कार्य और व्यवहार की जिम्मेदारी स्वीकार करता है, तब वह स्वाभाविक रूप से संवेदनशीलता, संतुलन और समझदारी के साथ व्यवहार करने लगता है। अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भी वह इस बात का ध्यान रखता है कि किसी का अहित न हो।

सही ढंग से बनाई गई योजनाएं संबंधों को सुदृढ़ बनाती हैं और समाज में सामंजस्य बनाए रखने में सहायक होती हैं। जब यही सोच व्यक्ति से आगे बढ़ती है, तो समाज के स्वरूप को भी प्रभावित करने लगती है। इस संदर्भ में यह समझना आवश्यक हो जाता है कि कूटनीति केवल युद्ध और सत्ता का उपकरण मात्र नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति और समाज दोनों को परिभाषित करने वाली एक दृष्टि है। सही कूटनीति किसी एक नेता तक सीमित नहीं रहती, वह एक ऐसा पथ-प्रदर्शक विचार बन जाती है, जिसका अनुसरण करने के लिए किसी आदेश की नहीं, बल्कि विश्वास की आवश्यकता होती है। निस्संदेह, यह यात्रा उसी क्षण आरंभ होती है, जब व्यक्ति अपने प्रत्येक निर्णय में न्याय को चुनने का साहस अपने भीतर जागृत करता है।

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

(नीरज कुमार दुबे)

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह वर्ल्ड लीक्स ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं। इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी। हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं।

इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है। भारतीयनौसेना जानकारी इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है। देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है। देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं। बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुड़े ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सुरक्षित बेटी-सशक्त समाज : अंतागढ़ में पुलिस का महिला सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता अभियान, 300 से अधिक छात्राएं हुई जागरूक

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और जन-जागरूकता के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 'सुरक्षित बेटी-सशक्त समाज' की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अंतागढ़ पुलिस और महिला रक्षा टीम द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएम स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय अंतागढ़ में आयोजित इस शिविर में 300 से अधिक छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा के नियमों और बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

यह पूरा कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष कुमार बंछोर के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी अंतागढ़ शुभम तिवारी एवं उप पुलिस अधीक्षक प्रतिभा लहरें के पर्यवेक्षण में आयोजित किया गया। पुलिस की महिला रक्षा टीम ने स्कूल पहुंचकर छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी और विपरीत परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा खुद कैसे करें, इसके व्यावहारिक तरीके सिखाए।

गुड टच-बैड टच और सुरक्षा उपायों की दी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान महिला रक्षा टीम के सदस्यों ने छात्राओं को गुड टच-बैड टच, बाल अपराध और महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। छात्राओं को छत्तीसगढ़ पुलिस के 'अभिव्यक्ति ऐप' के बारे में बताया गया और इसे मोबाइल में डाउनलोड करने व आपातकाल में उपयोग करने का तरीका समझाया गया। टीम ने छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए संवाद्यात्मक तरीके से उनकी शंकाओं का समाधान किया, ताकि वे स्वयं जागरूक होने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज को भी जागरूक कर सकें।

बढ़ते साइबर फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट से बचने की सलाह वर्तमान समय में तेजी से बढ़ते साइबर और सोशल मीडिया फ्रॉड को देखते हुए साइबर टीम ने छात्राओं को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी। शिविर में उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने डिजिटल अरेस्ट, बैंकिंग फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ऑनलाइन गेमिंग, साइबर बुलिंग, फेक प्रोफाइल, लॉटरी एवं नौकरी के नाम पर होने वाले फ्रॉड के बारे में विस्तार से समझाया। छात्राओं को हिदायत दी गई कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान व्यक्ति से मित्रता न करें और अपना ओटीपी, बैंक खाता नंबर, एटीएम पिन, यूपीआई पिन व अन्य व्यक्तिगत जानकारियां किसी के साथ भी साझा न करें।यह रहे उपस्थित इस गरिमामयी और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में थाना अंतागढ़ से उप निरीक्षक हेमलता परिहार, पीएसआई लता सिंह, महिला रक्षा टीम के सदस्य, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण सहित 300 से अधिक छात्राएं उपस्थित रहीं। कांकेर पुलिस की आम नागरिकों से अपील उत्तर बस्तर कांकेर पुलिस ने आम जनता से भी अपील की है कि वे महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराध, साइबर ठगी, मानव तस्करी, बाल श्रम अथवा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। नागरिक अपनी सूचनाएं निकटतम पुलिस थाना, डायल 112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 अथवा महिला रक्षा टीम के हेल्पलाइन नंबर 9479155925 पर दे सकते हैं। पुलिस का कहना है कि सजग नागरिकों की एक छोटी सी सूचना किसी की सुरक्षा सुनिश्चित करने और जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण से बढ़ी मजदूरी, हितग्राही ने जताया आभार

विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण से बढ़ी मजदूरी, हितग्राही ने जताया आभार

उत्तर बस्तर कांकेर । भारत सरकार द्वारा विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) के अंतर्गत ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर निर्धारित की गई है, इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को आर्थिक मिलेगा। कांकेर विकासखंड के ग्राम बेवरती निवासी मती घनेश्वरी साहू ने बताया कि पहले उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत 261 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिलती थी। अब विकसित भारत, रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण के तहत उन्हें 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि मजदूरी दर में हुई वृद्धि से ग्रामीण श्रमिकों को आर्थिक संबल मिलेगा तथा परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में आसानी होगी। इस पहल के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार का यह निर्णय ग्रामीण श्रमिकों के लिए लाभकारी साबित हो रहा है।

बस स्टॉपेज व्यवस्था को लेकर जिला परिवहन कार्यालय में हुई बैठक

कोंडागांव। कलेक्टर मती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार जिला परिवहन कार्यालय कोण्डागांव में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त बस संचालक एवं उनके प्रतिनिधियों व ऑटो चालक संघ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में बसों के संचालको को निर्देशित किया गया कि शहर के भीतर निर्धारित स्टॉपिज पर ही बसों को रोकना सुनिश्चित करने व अनाधिकृत स्थानों पर बसों के ठहराव पर रोक लगाने, यात्रियों की सुविधा एवं सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं करने तथा संबंधित विभागो के मध्य समन्वय स्थापित करने पर विस्तृत चर्चा कर निर्देशित किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि निर्धारित बस स्टॉपिज मर्दापाल चौक, बंधा गार्डन, गांधी चौक व रायपुर नाका के पास ही बसों को रोका जाए शहर के भीतर अन्य किसी स्थान पर बसों के रोक कर सवारी उतारने / चढाने का कार्य नही किया जायेगा व नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। बैठक में मुख्यरुप से जिला परिवहन अधिकारी रामकुमार ध्रुव, थाना कोतवाली प्रभारी, कोण्डागांव सौरभ उपाध्याय, यातायात प्रभारी मुकेश जोशी वा नगर पालिका कोण्डागांव से अशोक साहू उपस्थित रहे।

बस्तर सांसद महेश कश्यप ने 10 करोड़ से अधिक के सीएसआर कार्यों का किया भूमिपूजन

किरंदुल। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाना जाने वाला दंतेवाड़ा जिला अब विकास की नई राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने शनिवार किरंदुल स्थित एनएमडीसी परियोजना के सीएसआर फंड से 10 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।यह कार्यक्रम हीरोली ग्राम पंचायत में आयोजित हुआ। हिरोली, गुमियापाल और समलवार ग्राम पंचायतें लंबे समय तक नक्सलियों के भय के कारण चर्चा में रहती थीं।नक्सलवाद के खात्मे के बाद पहली बार किसी सांसद का इस क्षेत्र में पहुंचना स्थानीय लोगों के लिए ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ। सांसद महेश कश्यप ने क्षेत्र का जायजा लिया और ग्रामीणों की समस्याओं को

गंभीरता से सुना।

सांसद ने लिया विकास का जायजा-भूमिपूजन समारोह के दौरान सांसद कश्यप ने हिरोली, गुमियापाल और समलवार पंचायतों में सड़क, स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र और पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूलों की दयनीय स्थिति (छत से पानी रिसना) और युवाओं को बुनियादी सुविधाओं के अभाव पर चिंता जताई। सांसद ने अधिकारियों को तत्काल निर्देश देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में विकास की रफ्तार तेज की जाए।उन्होंने आश्वासन दिया कि सड़क निर्माण, सोलर लाइटें और अन्य बुनियादी सुविधाओं से क्षेत्र में समग्र विकास होगा।महेश कश्यप ने कहा, "इतने वर्षों बाद इस क्षेत्र में विकास कार्य शुरू हो रहे हैं।नक्सलवाद मुक्त बस्तर अब प्रगति का प्रतीक बनेगा। स्थानीय लोगों को बेहतर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल सुविधाएं मिलेंगी।

बस्तर फाइटर्स में 5800 पदों पर भर्ती को मंजूरी, पहले चरण में 1500 युवाओं का होगा चयन

स्थानीय युवाओं को मिलेगा मौका, सरकार ने दिसंबर 2026 तक पहली भर्ती पूरी करने का रखा लक्ष्य

बीजापुर। बस्तर संभाग के युवाओं के लिए राज्य सरकार ने बस्तर फाइटर्स के 5800 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी है। पहले चरण में 1500 पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसे दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। भर्ती में बस्तर संभाग के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

सरकार का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करना है। चयनित अभ्यर्थी कानून व्यवस्था बनाए रखने, नक्सल विरोधी अभियानों में सहयोग करने और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। सरकार की योजना भविष्य में स्थानीय युवाओं

की सुरक्षा व्यवस्था में भागीदारी बढ़ाने की है।वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवाओं में प्रतिभा और साहस की कमी नहीं है। यह भर्ती उन्हें अपने क्षेत्र की सुरक्षा में योगदान देने के साथ सरकारी सेवा का अवसर भी देगी। कश्यप ने कहा कि सरकार बस्तर में शांति, विकास और युवाओं के सशक्तिकरण को लेकर लगातार काम कर रही है। उनके मुताबिक बस्तर फाइटर्स की भर्ती से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को स्थानीय स्तर पर मजबूती मिलेगी।

भर्ती की बड़ी बातें

बस्तर फाइटर्स के 5800 पदों पर भर्ती को मंजूरी

पहले चरण में 1500 पदों पर भर्ती, दिसंबर 2026 तक लक्ष्य

भर्ती में बस्तर संभाग के स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता

चयनित अभ्यर्थी नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे

कोंडागांव में शुरू हुआ मुनगा पौधरोपण जन आंदोलन

कोंडागांव। कुपोषण से लड़ाई को जनभागीदारी से जोड़ते हुए कोंडागांव जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले में सुपोषण की ओर एक कदम बढ़ाते हुए मुनगा पौधरोपण जन आंदोलन की शुरुआत की है। अभियान के तहत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में मुनगा (सहजन) और विभिन्न फलदार पौधे लगाकर सुपोषण वाटिकाएं विकसित की जाएंगी। इसका उद्देश्य बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को स्थानीय स्तर पर पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देना

है।अभियान के शुभारंभ अवसर पर जनप्रतिनिधियों, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, स्वयं सहायता समूहों, स्कूल प्रबंधन समितियों तथा स्थानीय नागरिकों ने पौधरोपण कर सुपोषण और हरित पर्यावरण के लिए सामूहिक संकल्प लिया। मुनगा पोषण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी पौधा है। इसकी पत्तियों, फलियों, फूलों और बीजों में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम, विटामिन-ए तथा विटामिन-सी सहित अनेक आवश्यक पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

हरित दंतेवाड़ा की दिशा में बड़ा कदम : एक दिन में बने 1 लाख से अधिक सीड बॉल

सीड बॉल के जरिए पहाड़ियों और बंजर भूमि में बढ़ेगी हरियाली, ग्रामीणों और महिलाओं की भागीदारी से बना जन-अभियान

दंतेवाड़ा। सीड बॉल निर्माण महाअभियान पर्यावरण संरक्षण और वनीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक जन-सहभागी पहल है। इसमें स्थानीय बीजों को मिट्टी और जैविक खाद के मिश्रण में लपेटकर छोटी-छोटी गेंदें (सीड बाल) बनाई जाती हैं, जिन्हें बारिश में खाली या बंजर जमीन पर बिखेर दिया जाता है। दंतेवाड़ा जिले को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग ने मिलकर एक दिवसीय सीड बॉल निर्माण महाअभियान आयोजित किया। अभियान में ग्रामीणों, महिला स्व-सहायता समूहों, युवाओं, विद्यार्थियों, किसानों और सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान एक ही दिन में 1 लाख से अधिक सीड बॉल तैयार किए गए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में अभियान की कार्ययोजना तैयार की गई। कृषि विभाग ने सीड बॉल निर्माण के लिए स्थानीय जलवायु के अनुकूल मिट्टी, जैविक खाद और महुआ, इमली, हर्रा, बहेड़ा, जामुन, करंज, नीम, चार और खमार जैसी स्थानीय प्रजातियों के बीजों का चयन किया। ग्रामीणों और महिला स्व-सहायता समूहों को सीड बॉल तैयार करने का प्रशिक्षण भी दिया गया। सीड बॉल मिट्टी, जैविक खाद और बीजों से तैयार किए जाते हैं। इन्हें बारिश के मौसम में पहाड़ी, दुर्गम और बंजर क्षेत्रों में फैलाया जाता है। बारिश के पानी से बीजों को नमी मिलती है और वे प्राकृतिक रूप से अंकुरित होकर पौधों का रूप लेते हैं। इस तकनीक में गड्ढे खोदने, नियमित सिंचाई और ट्री-गार्ड की आवश्यकता नहीं होती। इससे कम लागत में बड़े क्षेत्र में हरियाली विकसित की जा सकती है। जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए सीड बॉल को वन विभाग और स्थानीय समितियों के सहयोग से वन क्षेत्रों, पहाड़ियों और अनुपजाऊ भूमि में फैलाया जाएगा, इससे जिले में हरित आवरण बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी संरक्षण, भूजल संवर्धन और जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलेगा। भविष्य में इन पेड़ों से मिलने वाले लघु वनोपज से ग्रामीणों की आजीविका को भी मजबूती मिलेगी। अभियान में महिला स्व-सहायता समूहों की विशेष भूमिका रही। विद्यार्थियों, किसानों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और स्वयंसेवी संगठनों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एक ही दिन में 1 लाख से अधिक सीड बॉल तैयार कर दंतेवाड़ा ने यह संदेश दिया है कि प्रशासनिक संकल्प, वैज्ञानिक तकनीक और जनभागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के बड़े लक्ष्य भी हासिल किए जा सकते हैं। यह पहल आने वाले वर्षों में दंतेवाड़ा की पहाड़ियों और वन क्षेत्रों को और अधिक हरा-भरा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

महादेव घाटी स्थित बटालियन मुख्यालय सहित विभिन्न कंपनियों में हुए कार्यक्रम, जवानों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

शहीदों को नमन के साथ 196वीं बटालियन ने मनाया 20वां स्थापना दिवस

बीजापुर। महादेव घाटी स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 196वीं बटालियन का 20वां स्थापना दिवस शनिवार को उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमांडेंट कुमार मनीष ने की। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी दिनेश एवं गोपाल सिंह बुनकर, उप कमांडेंट कुणाल किशोर, सहायक कमांडेंट लोकेश यादव एवं अभिषेक कुमार, चिकित्साधिकारी डॉ. शुभम नितिन पवार सहित बटालियन के अधिकारी और जवान मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत देश की रक्षा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। कमांडेंट कुमार मनीष ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर जवानों को नमन किया। इसके बाद क्वार्टर गार्ड में सलामी दी गई और सैनिक सम्मेलन आयोजित हुआ। सम्मेलन में कमांडेंट ने जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की भावना के साथ कार्य करते रहने का संदेश दिया। बटालियन मुख्यालय के साथ ही विभिन्न

कंपनी मुख्यालयों में भी स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। उसूर में निरीक्षक प्रदीप कुमार मेहता, नाम्बी में सहायक कमांडेंट हरीश कुमार, पुजारीकांकेर में सहायक कमांडेंट अनिल कुमार, ताड़पाला घाटी में सहायक कमांडेंट तरुण कुमार मीणा, ताड़पाला में सहायक कमांडेंट विनोद कुमार, वीरभूमि (पश्चिम बंगाल) में निरीक्षक रोशन लाल गुर्जर तथा कठुआ (जम्मू-कश्मीर) में निरीक्षक रजनीकांत रावत के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित हुए।शाम को बटालियन परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें अधिकारियों और जवानों ने देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा। कार्यक्रम के समापन पर सभी अधिकारियों और जवानों के लिए सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्र की सुरक्षा और जनसेवा के प्रति समर्पण दोहराते हुए भविष्य में भी पूरी निष्ठा से दायित्व निभाने का संकल्प लिया गया।

स्थापना दिवस की खास बातें

शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर वीर जवानों को श्रद्धांजलि

क्वार्टर गार्ड में सलामी और सैनिक सम्मेलन का आयोजन

बटालियन मुख्यालय सहित विभिन्न कंपनी मुख्यालयों में हुए कार्यक्रम

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में जवानों ने दिखाई प्रतिभा

सामूहिक भोज के साथ राष्ट्रसेवा और कर्तव्यनिष्ठा का संकल्प दोहराया

संक्षिप्त समाचार

आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन 5 अगस्त तक

बिलासपुर। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम 2009 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी विद्यालयों में कक्षा पहली में प्रवेश हेतु तृतीय एवं अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आरटीई पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन 22 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक किये जा सकते है। 25 जुलाई से 7 अगस्त तक नोडल प्राचार्यों द्वारा प्राप्त आवेदनों का परीक्षण एवं सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद 10 अगस्त से 14 अगस्त तक ऑनलाइन लॉटरी एवं काउंसिलिंग के माध्यम से चयनित बच्चों की सूची जारी की जाएगी। लॉटरी में चयनित विद्यार्थियों का संबंधित निजी विद्यालयों में प्रवेश 17 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं 20 अगस्त से 27 अगस्त तक नोडल प्राचार्यों द्वारा प्रवेशित विद्यार्थियों की अंतिम प्रविष्टि आरटीई पोर्टल पर दर्ज की जाएगी।

सीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, नेहरू चौक ने कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त 2 आवेदकों के आवेदन के छानबीन के क्रम में 7 दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। यदि आवेदक के परिवार के कोई भी सदस्य शासकीय सेवा में कार्यरत हो अथवा किसी प्रकार के अपराधिक या न्यायालीन मामले उनके विरूद्ध लंबित हो तो इसकी जानकारी उक्त समयावधि में बंद लिफाफे में या स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी दे सकते है। सीईओ ने आगे बताया कि बैंक में कार्यरत स्व. छतराम सिदार, निवासी वार्ड नं. 12 गौरा चौक, मालखरौदा जिला सक्ती के पुत्र श्री जितेन्द्र कुमार सिंदार एवं स्व. कृष्ण कुमार मैत्री, निवासी कुसुमझर, पोस्ट डभरा, जिला सक्ती के पुत्र श्री देवनारायण मैत्री ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आवेदकों के संबंध में जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, नेहरू चौक बिलासपुर पिन 495001 में निर्धारित अवधि में दिया जा सकता है। विलंब से प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

जशपुर में पुलिस,अभियोजन और न्यायपालिका की संयुक्त समन्वय बैठक, दोषसिद्धि दर बढ़ाने पर विशेष जोर

जशपुर। जिले में नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, गुणवत्तापूर्ण विवेचना और न्यायालयों में दोषसिद्धि दर बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस, अभियोजन और शासकीय अधिवक्ताओं की संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश जनार्दन खरे और डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बैठक में राजपत्रित पुलिस अधिकारी, अभियोजन अधिकारी, थाना प्रभारी, विवेचक एवं शासकीय अधिवक्ता शामिल हुए। जिला एवं सत्र न्यायाधीश जनार्दन खरे ने कहा कि नवीन आपराधिक कानूनों के सफल क्रियान्वयन के लिए पुलिस, अभियोजन और न्यायपालिका के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण विवेचना, वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन, प्रभावी अभियोजन और मजबूत पैरवी को दोषसिद्धि बढ़ाने का आधार बताते हुए प्रत्येक प्रकरण में विधिक प्रावधानों का गंभीरता से पालन करने और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने पर जोर दिया।डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने अधिकारियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ब्हस्स), 2023 के तहत सत्र ट्रायल, वारंट ट्रायल, समन ट्रायल और संक्षिप्त ट्रायल की प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि पीड़ितों को समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने विवेचना और अभियोजन में तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के अधिकतम उपयोग के निर्देश दिए।बैठक में लंबित प्रकरणों, दोषमुक्ति मामलों, एफएसएल एवं डीएनए रिपोर्ट और अभियोजन कार्यों की समीक्षा भी की गई। डीआईजी ने निर्देश दिए कि दोषमुक्ति प्रकरणों की मासिक समीक्षा समय पर भेजी जाए तथा जब्ती कार्रवाई की वीडियोग्राफी, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के प्रमाणीकरण, बीएनएसएस के विभिन्न प्रावधानों का प्रभावी पालन और आवश्यक मामलों में ट्रायल इन एब्सेंटिया (फरारी में विचारण) की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही लंबित एफएसएल और डीएनए रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त करने के लिए संबंधित प्रयोगशालाओं से नियमित समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।बैठक के अंत में डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि नवीन आपराधिक कानूनों का समुचित अध्ययन, गुणवत्तापूर्ण विवेचना, प्रभावी अभियोजन और पुलिस, अभियोजन एवं न्यायपालिका के बीच सतत समन्वय से ही न्यायालयों में दोषसिद्धि दर बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सभी अधिकारियों से प्रत्येक प्रकरण में विधिक प्रावधानों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित कर पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने का आह्वान किया।

नई दिल्ली में द टाइम्स इंटरनेट इकोप्रेन्योर्स अवॉर्ड्स 2026 में मिला राष्ट्रीय सम्मान

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित पहल के लिए एसईसीएल लिमिटेड को मिला 'ग्रीन ट्रांज़िशन लीडरशिप अवॉर्ड

■ चालू वित्तीय वर्ष में 50 मिलियन टन कोयला उत्पादन का आंकड़ा पार करने वाली कोल इंडिया लिमिटेड की पहली अनुषंगी कंपनी भी बनी एसईसीएल

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) को सतत एवं हरित खनन के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहल तथा पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के लिए द टाइम्स इंटरनेट इकोप्रेन्योर्स अवॉर्ड्स 2026 में प्रतिष्ठित 'ग्रीन ट्रांज़िशन लीडरशिप अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 17 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने प्राप्त किया। यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण, सतत खनन, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक खान बंदी, भूमि पुनर्वास तथा पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन के क्षेत्र में एसईसीएल द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों की राष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण मान्यता है। इसी क्रम में एसईसीएल ने परिचालन प्रदर्शन के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 50 मिलियन टन कोयला उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके साथ ही एसईसीएल, चालू वित्तीय वर्ष में ऐसा करने वाली कोल इंडिया लिमिटेड की पहली अनुषंगी कंपनी

बन गई है। कंपनी ने पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इस उपलब्धि में कोरबा स्थित एसईसीएल की मेगा परियोजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। दीपका परियोजना ने 11.8 मिलियन टन, गेवरा परियोजना ने 11.7 मिलियन टन तथा कुसमुंडा परियोजना ने 9.7 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया। इसके अतिरिक्त सीआईसी कोलफील्ड्स ने 8.8 मिलियन टन, रायगढ़ क्षेत्र ने 5.9 मिलियन टन तथा कोरबा क्षेत्र ने 2.1 मिलियन टन उत्पादन कर कंपनी के समग्र प्रदर्शन में उल्लेखनीय योगदान दिया। इस अवसर पर एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहान ने कहा, ग्रीन ट्रॉन्ज़िशन लीडरशिप अवॉर्ड एसईसीएल की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान है। पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा सुरक्षा—दोनों हमारे विकास के समान रूप से महत्वपूर्ण आयाम हैं। एक ओर हम हरित एवं उत्तरदायी खनन को बढ़ावा दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर दक्ष, सुरक्षित एवं आधुनिक खनन के माध्यम से देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। एसईसीएल आधुनिक तकनीकों, उच्च परिचालन दक्षता तथा सतत विकास के सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करते हुए देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं उत्तरदायी खनन के क्षेत्र में भी नए मानक स्थापित कर रही है।

शिक्षक पिता की होनहार बेटी नैना ने नीट यूजी में परचम

कोरबा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा गुरुवार देर रात घोषित नीट यूजी 2026 के परीक्षा परिणामों में कोरबा की होनहार छात्रा नैना साहू ने शानदार सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बचपन से ही मेधावी रहीं नैना ने इस राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में 720 में से 520 अंक अर्जित कर 96.67 परसेंटाइल प्राप्त किया है। उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि शुरुआत से ही उत्कृष्ट रही है, जिसके तहत उन्होंने अपनी 10वीं बोर्ड परीक्षा में 94 प्रतिशत और 12वीं में 92 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। नैना ने बताया कि उन्होंने कक्षा 11वीं से ही नीट को अपना मुख्य लक्ष्य बना लिया था और वे नियमित रूप से रोजाना 8 से 10 घंटे तक अध्ययन करती थीं। अपनी तैयारी की रणनीति साझा करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने ऑनलाइन कोचिंग के जरिए पढ़ाई की, और परीक्षा के माहौल को समझने व अपनी गलतियों को सुधारने के लिए भिलाई में रहकर ऑफलाइन टेस्ट सीरीज ज्वाइन की थी। डिजिटल पढ़ाई और ऑफलाइन मूल्यांकन के इसी सटीक तालमेल व निरंतर प्रयास की बदौलत उन्हें यह शानदार सफलता मिली है।नैना की इस गौरवपूर्ण कामयाबी के पीछे उनके परिवार का बड़ा त्याग, अटूट विश्वास और समर्पण रहा है। उनके पिता रामनारायण साहू सरस्वती शिशु मंदिर बलगी प्रोजेक्ट में शिक्षक हैं और साथ ही जीवन बीमा अभिकर्ता (एलआईसी एजेंट) के रूप में भी सेवाएं देते हैं, जबकि उनकी माता नीलिमा साहू एक गृहिणी हैं। तीन बहनों में सबसे बड़ी बहन कृति साहू भिलाई में ही नर्सिंग की पढ़ाई कर रही हैं और सबसे छोटी बहन अभी आठवीं कक्षा में अध्ययनरत है। मध्यमवर्गीय परिवार के त्याग और नैना की निरंतर मेहनत ने आखिरकार रंग लाया है और उनके डॉक्टर बनने के सपने को उड़ान दी है। इस शानदार और ऐतिहासिक उपलब्धि पर नैना साहू को उनके शिक्षकों, सहपाठियों, मित्रों, समाज के प्रबुद्ध लोगों और समस्त क्षेत्रवासियों से लगातार बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं मिल रही हैं।

राज ज्वेलर्स लूट कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार.......

कोरबा। कटघोरा पुलिस को राज ज्वेलर्स में हुई सनसनीखेज लूट के मामले में एक और बड़ी सफलता मिली है। घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे मुख्य आरोपी विष्णु राठिया को कोरबा पुलिस की विशेष टीम ने कर्नाटक बॉर्डर के हिन्दूपुरम औद्योगिक क्षेत्र स्थित एलो प्लांट से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को हिरासत में लेकर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।बीते 1 जुलाई 2026 को छुरीकला वार्ड क्रमांक 10 निवासी प्रार्थी राजकुमार अग्रवाल अपनी राज ज्वेलर्स दुकान पर अकेले थे। दोपहर लगभग 1.00 बजे एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन अज्ञात व्यक्ति (जिसमें दो पुरुष और एक महिला शामिल थी) ग्राहक बनकर पहुंचे। आरोपियों ने पहचान छिपाने के लिए अपने चेहरों को गमछे से बांध रखा था। आरोपियों ने दुकानदार से चांदी की अंगूठी दिखाने को कहा। जैसे ही दुकानदार काउंटर के पास आया, एक आरोपी ने सामने का गेट बंद कर दिया। मिर्ची पाउडर और कट्टा अड़ायारू एक आरोपी ने कट्टा निकालकर दुकानदार के सीने पर अड़ा दिया और आंखों में मिर्ची पाउडर डालने की कोशिश की। दुकानदार और आरोपियों के बीच जमकर छीना-झपटी हुई। इस दौरान आरोपियों ने पीड़ित के हाथ के अंगूठे और होंठ पर दांत से काट लिया, जिससे वे चोटिल हो गए। भाग निकले आरोपीरू शोर और छीना-झपटी के बीच बाहर लोगों की भीड़ जुटने लगी, जिसे देखकर तीनों आरोपी अपना कट्टा, बाइक, चप्पल और मिर्ची पाउडर मौके पर ही छोड़कर भाग निकले। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी (भापुसे) के निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले व नितिश ठाकुर के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के बाद 06 जुलाई 2026 को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तार आरोपियों में गोपाल सिंह गोंड (उम्र 38 वर्ष, निवासी घुचापुर बोइलाबारी, चैकी कोरबी, थाना पसान) और परदेशी राम राठिया (उम्र 40 वर्ष, निवासी जिला बरपाली, थाना श्यांग) शामिल हैं। ?इस मामले का तीसरा आरोपी विष्णु राठिया लगातार फरार चल रहा था, जिसे पकड़ने के लिए साइबर और पुलिस की विशेष टीम गठित की गई थी।

नैनो उर्वरकों के उपयोग से बढ़ी पैदावार,किसान अक्षय कुमार ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

बिलासपुर। जिले के तखतपुर विकासखंड के ग्राम सैदा निवासी प्रगतिशील किसान अक्षय कुमार सूर्यवंशी पिछले दो वर्षों से अपनी खेती में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का नियमित उपयोग कर रहे हैं। उनका अनुभव है कि इन उर्वरकों के उपयोग से फसलों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, पौधों का विकास बेहतर हुआ है तथा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है। बेहतर पैदावार के कारण उन्हें आर्थिक रूप से भी लाभ प्राप्त हुआ है, जिससे खेती के प्रति उनका उत्साह और बढ़ा है। किसान अक्षय कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि पहले पारंपरिक उर्वरकों का अधिक मात्रा में उपयोग करना पड़ता था, जिससे लागत भी अधिक आती थी। लेकिन पिछले दो वर्षों से नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया अपनाने के बाद कम मात्रा में उर्वरक का उपयोग करते हुए भी फसलों को आवश्यक पोषण मिल

रहा है। इसका सकारात्मक प्रभाव फसल की बढ़वार, हरियाली और दानों की गुणवत्ता पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। साथ ही उर्वरकों के संतुलित उपयोग से खेती अधिक वैज्ञानिक और लाभकारी बनी है। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर दी गई तकनीकी सलाह और आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी से उन्हें नैनो उर्वरकों के सही उपयोग में काफी मदद मिली। इससे उनकी खेती की उत्पादकता बढ़ी और बेहतर उत्पादन प्राप्त हुआ। किसान अक्षय कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि राज्य सरकार एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों के हित में संचालित योजनाएं और नवाचार आधारित कृषि तकनीकों का प्रसार किसानों की आय बढ़ाने तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने अन्य किसानों से भी अपील की कि वे कृषि विशेषज्ञों की सलाह लेकर नैनो उर्वरकों का उपयोग करें, ताकि कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

एनएच 149-बी-बरपाली सर्विस रोड उखड़ी:हादसों को दे रहा आमंत्रण

कोरबा। राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 149-बी कोरबा - चाम्पा फोरलेन मार्ग में एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) को महज टोल टैक्स वसूली से ही सरोकार है,एनएचएआई सर्विस रोड की मरम्मत के लिए पूरी तरह उदासीन अनुत्तरदायी नजर आ रहा है। बरपाली का सर्विस रोड एक छोर जहां भूमि विवाद की वजह से आज तक डामरीकृत नहीं हो सका है ,वहीं डामरीकृत हुए सर्विस मार्ग भी उखड़ने लगी है। जो हादसों को न्यौता दे रही है एनएचएआई प्रबंधन की लापरवाही आम जनता पर भारी पड़ रही है। टोल टैक्स देने के बाद भी जनता ठगा सा महसूस कर रही है। गौरतलब हो कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एनएच क्रमांक 149 -बी कोरबा - चाम्पा में फोरलेन सड़क डेढ़ साल पूर्व ही तैयार की जा चुकी है। पचपेड़ी के समीप टोल नाका में एक साल पूर्व ही एनएचएआई द्वारा टोल वसूली शुरू कर दी गई है। एनएचएआई के फोरलेन निर्माण के निर्धारित नाम्स के अनुसार सर्विस रोड के मरम्मत का भी प्रावधान है । लेकिन बरपाली के सर्विस रोड एक छोर जहां भूमि विवाद की वजह से डामरीकृत नहीं हो पाया है तो वहीं जिन मार्ग का डामरीकरण हुआ है वो भी घटिया डामरीकरण की भेंट चढ़ गड्ढों में तब्दील हो गई है। जिससे आवागमन करने वाले लोगों को भारी तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटना का भी भय सता रहा है। मुख्य मार्ग से बरपाली होते हुए बरपाली सलिहाभांठा ,तुमान,सक्ति मार्ग जाने के लिए लोग जैसे ही सर्विस रोड में आ रहे महज 100 मीटर बाद ही उन्हें उखड़ चुकी जानलेवा गड्ढों से युक्त सर्विस रोड से दो चार होना पड़ रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की खामोशी भी जनाक्रोश बढ़ा रही है। शीघ्र ही मार्ग का मरम्मत नहीं होने पर ग्रामीण सड़क पर उतरकर प्रदर्शन का मन बना रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा दक्षता की दिशा में अग्रणी

■ हेड ऑन जनरेशन (एचओजी) प्रणाली से वर्ष 2025-26 में जनरेटर कार में खपत होने वाली 65 लाख लीटर से अधिक डीजल की बचत

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता तथा आधुनिक रेल संचालन की दिशा में लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। इसी क्रम में अत्याधुनिक हेड ऑन जनरेशन प्रणाली को अपनाकर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 65 लाख लीटर से अधिक डीजल की बचत की है। इससे रेलवे को लगभग ?81 करोड़ की राजस्व बचत हुई है तथा 16,614 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी दर्ज की गई है। यह पहल हरित एवं सतत रेल परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 25 एलएचबी आधारित ट्रेनों में एचओजी प्रणाली लागू होने के बाद अब इन ट्रेनों के कोचों में प्रकाश एवं वातानुकूलन (एयर कंडीशनिंग) हेतु आवश्यक विद्युत आपूर्ति डीजल जनरेटर के स्थान पर सीधे ओवरहेड उपकरण (ओएचई) के माध्यम से विद्युत इंजन से प्राप्त की जा रही है। इससे डीजल आधारित एंड ऑन जनरेशन (ईओजी) प्रणाली पर निर्भरता लगभग समाप्त हो गई है। पूर्व में एलएचबी ट्रेनों के दोनों सिरों पर लगे पावर कारों में स्थापित डीजल जनरेटर सेट कोचों को विद्युत आपूर्ति करते थे। एचओजी प्रणाली लागू होने के बाद यह व्यवस्था समाप्त होकर विद्युत इंजन से सीधे विद्युत आपूर्ति की जा रही है, जिससे ईंधन की बचत के साथ परिचालन अधिक किफायती, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल बन गया है। एचओजी प्रणाली के प्रमुख लाभ- 65 लाख लीटर से अधिक डीजल की वार्षिक बचत, जिससे करोड़ों रुपये की वित्तीय बचत। लगभग 16,614 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा। डीजल जनरेटर समाप्त होने से ध्वनि प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी, परिणामस्वरूप यात्रियों को अधिक शांत

एवं आरामदायक यात्रा का अनुभव। नई डिज़ाइन की पावर कारों में कम स्थान घेरने वाली प्रणाली के कारण सामान्य श्रेणी में अतिरिक्त बैठने की क्षमता उपलब्ध। डीजल, लुब्रिकेंट एवं अन्य ज्वलनशील उपकरणों के उपयोग में कमी से अग्नि सुरक्षा में वृद्धि। विद्युत आधारित प्रणाली अपनाने से रखरखाव लागत एवं ईंधन पर निर्भरता में कमी, जिससे रेल संचालन अधिक दक्ष एवं पर्यावरण-अनुकूल बना। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अपनाई गई एचओजी प्रणाली भारतीय रेल की हरित, सुरक्षित, आधुनिक एवं ऊर्जा-कुशल परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रही है, बल्कि यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, शांत एवं सुरक्षित यात्रा का अनुभव भी प्रदान कर रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की एचओजी प्रणाली से संचालित 25 प्रमुख ट्रेनें- (1) बिलासपुर-चेन्नई एक्सप्रेस (2) बिलासपुर-पुणे, एक्सप्रेस (3) बिलासपुर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस, (4) बिलासपुर-पटना एक्सप्रेस, (5) बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस (6) बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस (7) छ.ग. सम्पर्क क्रांति एक्स्प्रेस, (8) दुर्ग-निज़ामुद्दीन, हमसफ़र एक्सप्रेस, (9) दुर्ग-जम्मूतवी एक्सप्रेस (10) दुर्ग-फिरोजपुर अंत्योदय एक्सप्रेस (11) कोरबा-रायपुर, हसदेव एक्सप्रेस (12) दुर्ग नौतनवा एक्सप्रेस (13) दुर्ग -कानपुर, बेतवा एक्सप्रेस (14) दुर्ग नौतनवा (15) दुर्ग अजमेर एक्सप्रेस (16) कोरबा-अमृतसर, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (17) दुर्ग-जयपुर, एक्सप्रेस (18) दुर्ग-उधमपुर एक्सप्रेस एवं (19) दुर्ग-भोपाल,अमरकंटक एक्सप्रेस (20) रायगढ़-गोंदिया, जनशताब्दी एक्सप्रेस (21) बिलासपुर-नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी, इंटरसिटी एक्सप्रेस और (22) कोरबा- नेताजी सुभाषचंद्र बोस इतवारी, शिवनाथ एक्सप्रेस (23) बिलासपुर-रीवाँ एक्सप्रेस (24) बिलासपुर-इंदौर, नर्मदा एक्सप्रेस एवं (25) दुर्ग-अम्बिकापुर एक्सप्रेस शामिल हैं ।

घर पर वास्तु दोष दूर करने के उपाय

वास्तु के अनुसार अगर घर में वास्तु संबंधी दोष होता है तो वहां पर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भी रसोई घर और बाथरूम पास-पास नहीं होगा। वास्तु में सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि के लिए और नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को खत्म करने के लिए कई तरह के नियम और उपाय दिए गए हैं। वास्तु के नियमों का पालन करने पर घर में फैली हर तरह की नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाती है और घर में सुख-समृद्धि और संपन्नता आती है। आइए जानते हैं घर में किन-किन चीजों के लिए वास्तु के नियमों का पालन करना होता है।

वास्तु के अनुसार, घर में कभी किचन और बाथरूम को सटे हुए नहीं बनवाना चाहिए। किचन और बाथरूम के पास-पास होने से घर में नकारात्मक ऊर्जा फैलती है। अगर मजबूरी में बाथरूम और किचन दोनों ही पास-पास बना हुआ हो तो इस बात का ध्यान रखें कि बाथरूम का दरवाजा इस्तेमाल करने के बाद हमेशा बंद होना चाहिए। ऐसे करने से किचन में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कम हो जाता है। इसके अलावा कभी भी घर के मुख्य दरवाजे कांटेदार, दूध निकलने वाले पौधे नहीं लगना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा जल्दी से प्रवेश होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर पर तुलसी, मनी प्लांट या शमी का पौधे लगाना बहुत ही शुभ रहता है। इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, किचन में कभी भी आग और पानी दोनों को पास-पास में नहीं रखना चाहिए। इसमें से एक अग्नि तत्व और दूसरा जल तत्व है। ऐसे में इन दोनों को ही अलग-अलग स्थान पर रखना चाहिए।

घर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। समय-समय पर घर में लगे मकड़ी के जाले, कबाड़ और बेकार चीजों को घर से निकालते रहना चाहिए।

सावन से पहले घर में लगाएं बेल का पौधा

सावन में भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित करने का विशेष महत्व है, अगर आप हर दिन ताजे बेलपत्र चाहते हैं, तो अभी घर पर बेल का पौधा लगाने का सही समय है। सही तरीके से लगाने और देखभाल करने पर यह तेजी से बढ़ता है।

घर पर लगाएं पौधा-

पूरे साल शिव भक्त सावन (श्रावण) का इंतजार करते हैं, ये महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। भगवान शिव को बेलपत्र बहुत पसंद होता है, ऐसे में शिव भक्त उन्हें इसे अर्पित करते हैं। हालांकि श्रावण मास में इसकी मांग इतनी बढ़ जाती है कि ये हर जगह जल्दी खत्म हो जाता है, ऐसे में अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं, क्योंकि आप इसके पौधे को आसानी से घर पर लगा सकते हैं।

जल्दी आना शुरू हो जाएंगे पत्ते-

अगर आप घर पर बेल का पौधा लगाना चाहते हैं तो अभी से इसे लगा दें और आखिर तक इसमें पत्ते आना शुरू हो जाएंगे। सावन आने तक आपका पौधा अच्छा-खासा बड़ा और हरा-भरा हो जाएगा। घर पर लगाने से वातावरण शुद्ध होता है, ऑक्सीजन मिलती है और शुभ फल भी मिलते हैं।

स्टेप्स1.

इस पौधे को लगाने के लिए आपको कुछ चीजों की जरूरत पड़ेगी। बेल का पका फल (बीज के लिए) या नर्सरी से छोटा पौधा/कलम ले लें, 12-18 इंच का गमला, ध्यान रखें कि इसमें नीचे छेद होना चाहिए। दोमट या सामान्य गार्डन मिट्टी + रेत + गोबर की खाद, थोड़ी पुरानी छाछ या वर्मीकंपोस्ट। पौधा लगाने के लिए आपको इन सभी चीजों की जरूरत होगी।

2. बीज से लगाना-

अगर आप पौधे को बीज से लगा रहे हैं तो पके बेल फल से गूदा निकालकर बीज अलग करें। बीजों को साफ पानी से धोकर 1-2 दिन छाया में सुखा लें। 24 घंटे गुनगुने पानी में भिगोकर रखें। गमले में मिट्टी भरें (50% मिट्टी + 30% खाद + 20% रेत), बीज को 1-2 इंच गहरा दबाएं। हल्का पानी दें और गमले को धूप वाली जगह रखें। 10-15 दिन में अंकुर निकल आएंगे।

3.तैयार पौधे से लगाना-

अगर आप पौधे से लगा रहे हैं तो नर्सरी से 1-2 फुट का स्वस्थ पौधा ले आएं। गमले के नीचे कंकड़ डालकर जल निकासी का इंतजाम करें। मिट्टी + खाद मिलाकर गड्ढा करें और पौधा लगाएं। हल्का दबाएं और पानी दें, पहले 2-3 दिन छायादार जगह रखें, फिर धूप में रखें।

देखभाल कैसे करें?

आपको पौधे की अच्छी देखभाल करनी होगी। रोज 5-6 घंटे की सीधी धूप लें, सुबह की धूप सबसे अच्छी मानी जाती है। मिट्टी ऊपर से सूखी लगे तब पानी दें, गर्मी में 2-3 दिन में, बारिश में कम, ज्यादा पानी न डालें, जड़ सड़ सकती है। 15-20 दिन में गोबर खाद या छाछ का पानी डालें। इससे पत्तियां घनी और हरी होंगी। ऊंचाई बढ़ाने के लिए टॉप की टहनियां हल्की काट सकते हैं।

बच्चे को हेल्दी खाना खिलाने के लिए करें ये काम

खाने के समय नखरे करना बच्चों की आम समस्या है। कई माता-पिता इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि उनका बच्चा ठीक से नहीं खाता तो उसे जरूरी पोषक तत्व कैसे मिलेंगे। भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चे का खान-पान सही रखना चुनौती भरा काम है लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार सही तरीके और धैर्य से इस समस्या को आसानी से सुलझाया जा सकता है। दुनियाभर के माता-पिता इस समस्या से जूझ रहे हैं। अगर आपका बच्चा भी खाने में नखरे करता है तो सात आसान और प्रभावी टिप्स को अपनाकर आप उसे स्वस्थ और पौष्टिक भोजन की ओर प्रेरित कर सकते हैं। ये टिप्स अपनाकर माता-पिता अपने बच्चे को स्वस्थ खान-पान की आदत डाल सकते हैं। धैर्य और सकारात्मक रवैया सबसे जरूरी है।

बार-बार कोशिश करें

नया खाना बच्चे को तुरंत पसंद नहीं आता। किसी नए खाद्य पदार्थ को परांद करने में उसे 10 बार से ज्यादा चखना पड़ सकता है। हार न मानें, थोड़ी मात्रा में नए खाने को बार-बार दें। जिस चीज को बच्चा नहीं खाता, उसे पसंद की चीज के साथ मिलाकर दें।

अलग-अलग तरह का पौष्टिक खाना दें

बच्चे को रोजाना फल, सब्जियां, अनाज, दालें, डेयरी उत्पाद, मेवे और बीज खिलाएं। अलग-अलग रंग, स्वाद और बनावट वाले खाने दें। एक ही सब्जी को कच्चा और पका दोनों रूप में ट्राई करें। विविधता बच्चे को आकर्षित करती है।

बच्चे को टीम का हिस्सा बनाएं

बच्चे को बाजार ले जाएं और उन्हें फल-सब्जी चुनने दें। घर पर उनकी उम्र के अनुसार छोटा काम सौंपें जैसे सामग्री मिलाना या प्लेट सजाना। जब बच्चा खुद खाना बनाने में शामिल होता है तो उसे खाने का ज्यादा उत्साह होता है।

उनकी भूख पर भरोसा करें

बच्चे को खाने के लिए मजबूर न करें। अगर वह कम खा रहा है तो दबाव न डालें। जब तक बच्चा स्वस्थ है, फुर्तीला है और वजन ठीक बढ़ रहा है, तो चिंता न करें। बच्चे को अपनी भूख-तृप्ति के संकेत समझने दें।

कम मात्रा में खाना दें

छोटे बच्चों का पेट बहुत छोटा होता है। उन्हें बड़ी मात्रा में खाना न दें। उनकी उम्र के हिसाब से छोटी-छोटी सर्विंग दें और थोड़ा खाने पर भी तारीफ करें।

खाने को इनाम या सजा न बनाएं

अच्छे व्यवहार के लिए मिठाई या जंक फूड का लालच न दें। इससे बच्चे अच्छे-बुरे खाने की गलत सोच विकसित करते हैं। इसके बजाय खेलने या घुमने का वादा करें।

खुद रोल मॉडल बनें

बच्चे अपने माता-पिता की नकल करते हैं। परिवार के साथ बैठकर पौष्टिक भोजन करें और उसे स्वादिष्ट बताएं। जब बच्चा देखेगा कि आप भी वही खा रहे हैं तो वह खुद इसे ट्राई करना चाहेगा।

बच्चे को सुलाते समय न करें ये गलतियां

छोटे बच्चों की ग्रोथ में नींद का बड़ा योगदान होता है। बेहतर ग्रोथ के लिए अच्छी नींद बेहद जरूरी है। हालांकि, कई बार माता-पिता बच्चे को सुलाते समय कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे बच्चे को परेशानी होती है और वह ठीक तरह से सो नहीं पाता है। मशहूर पीडियाट्रिशियन ने के अनुसार बच्चों के डॉक्टर ने 4 ऐसी ही गलतियों के बारे में बताया है। पीडियाट्रिशियन कहते हैं, 90% पैरेंट्स बच्चे को सुलाते समय 4 आम गलतियां करते हैं, जो बच्चे की सेहत के लिए ठीक नहीं होतीं। आइए जानते हैं इनके बारे में-

बच्चे को सुलाते समय न करें ये गलतियां

नंबर 1- तकिया लगाना

बहुत से लोगों को लगता है कि तकिया लगाने से बच्चा आराम से सोएगा, लेकिन छोटे बच्चों को तकिए की जरूरत नहीं होती। डॉक्टर का कहना है कि बच्चे को बिना तकिए के ही सुलाना चाहिए। तकिया बच्चे के चेहरे के पास आ सकता है, जिससे उसे सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। इसलिए बच्चे को हमेशा सीधे गद्दे पर सुलाएं।

नंबर 2- बच्चे के आसपास खिलौने या सामान रखना

अगर बच्चा पालने (क्रिब) में सोता है, तो उसके आसपास खिलौने, तकिया, रजाई, कंबल या मोटी चादर जैसी चीजें बिल्कुल न रखें। ये चीजें सोते समय बच्चे के मुंह या नाक पर आ सकती हैं। इससे बच्चे को सांस लेने में परेशानी हो सकती है। इसलिए बच्चे के सोने की जगह हमेशा साफ, खाली और सुरक्षित रखें।

नंबर 3- गलत पोजीशन में सुलाना

डॉक्टर रवि मलिक के मुताबिक, छोटे बच्चे के लिए सबसे सुरक्षित पोजीशन पीठ के बल सोना है। बच्चे को पेट के बल या उल्टा नहीं सुलाना चाहिए। बार माता-पिता बच्चे को सोफे या बहुत नरम गद्दे पर सुला देते हैं। डॉक्टर के अनुसार ऐसा नहीं करना चाहिए। बच्चे को हमेशा सख्त (फर्म) गद्दे पर सुलाना सबसे अच्छा माना जाता है। सख्त गद्दा बच्चे के शरीर को सही सहारा देता है और सुरक्षित नींद में मदद करता है।

नंबर 4- सोफे या मुलायम गद्दे पर सुलाना

कई

आज का राशिफल

मेष राशि - व्यापार में सफलता आपके कदम चूम सकती है, हालांकि प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला थोड़ी चिंता बढ़ा सकता है। आज प्रेम संबंधों में नई उमंग और उत्साह बना रहेगा। यदि आप किसी नए रिश्ते की शुरुआत करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। विवाहित जातक अपने जीवनसाथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे, जिससे आपसी विश्वास और प्रेम और भी गहरा होगा। छोटी-छोटी योजनाओं से भी अच्छा आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं।

वृषभ राशि - जीवनसाथी आपके जीवन का सबसे अनमोल सहारा हैं। मन की भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने से रिश्ते में मधुरता आएगी। प्रियजन के साथ कहीं घूमने या समय बिताने का अवसर मिल सकता है, जिससे प्रेम संबंध मजबूत होंगे। किसी राजनीतिक या प्रशासनिक मामले में हल्की परेशानी आ सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। लंबी यात्रा की योजना बन सकती है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर खुल सकते हैं।

मिथुन राशि - आज आपका मन रोमांटिक रहेगा और साथी के साथ अधिक समय बिताने की इच्छा होगी। प्रेमी या प्रेमिका के साथ बिताए गए पल यादगार साबित होंगे। आपसी बातचीत रिश्ते में नई ऊर्जा लेकर आएगी। यदि किसी काम को लेकर परेशानी चल रही थी, तो उसका समाधान भी धीरे-धीरे सामने आता नजर आएगा।

कर्क राशि - आज आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेगा। कोई करीबी मित्र आपके प्रति विशेष लगाव दिखा सकता है। प्रेम और अपनापन आपके मन को सुकून देगा तथा रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। रिश्ते में संतुलन व मिठास बढ़ेगी। साथी के साथ विश्वास और समझ पहले से मजबूत होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने की संभावना भी बन रही है।

सिंह राशि - प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक जुड़ाव पहले से अधिक मजबूत होगा। एक-दूसरे के प्रति सम्मान और विश्वास आपके रिश्ते को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। गहरे एहसास रिश्ते को और खास बनाएंगे। आज घर पर भी साथी के बारे में बात कर सकते हैं। अपने कामों में पारदर्शिता और स्पष्टता बनाए रखें। विरोधियों की बातों में आकर कोई निर्णय न लें।

कन्या राशि - आज आपका साथी आपसे अधिक समय और स्नेह की अपेक्षा कर सकता है। उनकी भावनाओं का सम्मान करें और छोटी-छोटी बातों से उन्हें खुश रखने का प्रयास करें। इससे रिश्ते में प्रेम और अपनापन बढ़ेगा। करियर की किसी बड़ी उपलब्धि का जश्न मना सकते हैं। आप दोनों बाहर घूमने जाएंगे। कुल मिलाकर रिश्तों में प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो सकती हैं।

तुला राशि- व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आज आप अपने प्रिय के लिए समय निकालेंगे। आपके प्रेम, समर्पण और सहयोगी स्वभाव की सराहना होगी। दांपत्य जीवन में सुखद वातावरण बना रहेगा। मन भी हल्का महसूस करेगा। कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से खुशी का माहौल रहेगा। अपने कामों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें, इससे सफलता जल्दी मिलेगी। परिवार में यदि किसी बात को लेकर मतभेद चल रहे थे।

वृश्चिक राशि - आज का दिन प्रेम संबंधों के लिए बेहद अनुकूल रहेगा। रोमांस और भावनात्मक निकटता में वृद्धि होगी। अपने साथी के साथ बिताए गए खास पल लंबे समय तक यादगार रहेंगे। आज आपके जीवन में एक नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है। जो लोग पहले से रिश्ते में हैं, उनके बीच नजदीकियां बढ़ेंगी। पुरानी स्वास्थ्य समस्या दोबारा परेशान कर सकती है, इसलिए लापरवाही न करें। कुछ जरूरी खर्च सामने आ सकते हैं।

धनु राशि- यदि आप अपने मन की बात कहने की सोच रहे हैं तो समय आपके पक्ष में है। वैवाहिक जीवन में खुशियों का संचार होगा। प्रियजन की ओर से मिला कोई छोटा-सा उपहार या सरप्राइज आपका दिन विशेष बना सकता है। प्रेम संबंधों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। दिल की बात कहने के लिए दिन अनुकूल रहेगा इसलिए सतर्क रहें। नए कार्य की शुरुआत के लिए समय अनुकूल है। भाई-बहनों की सलाह आपके लिए लाभदायक रहेगी।

मकर राशि - आज प्रेम जीवन से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। प्रेम संबंधों में स्थिरता आएगी और आने वाले दिनों में रिश्ते और मजबूत होंगे। अपनी खुशियों और रुचियों का भी ध्यान रखें, तभी संबंधों में संतुलन बना रहेगा। प्रेम जीवन में खुशियों का माहौल बना रहेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलने के संकेत हैं।

कुंभ राशि- आज आपके प्रेम जीवन में नई ताजगी और उत्साह का संचार होगा। पुराने मतभेद दूर होकर रिश्ते में मधुरता आएगी। अविवाहित लोगों को धैर्य बनाए रखना चाहिए, क्योंकि जल्द ही कोई शुभ अवसर मिल सकता है। साथी आपकी बातों को समझने की पूरी कोशिश करेगा। लंबे समय से रुका हुआ सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं।

मीन राशि- आज आप अपने प्रिय के साथ यादगार समय बिताने की योजना बना सकते हैं। लंबी यात्रा या लॉन्ग ड्राइव का योग बन रहा है। प्रेम और अपनापन आपके रिश्ते को मजबूत करेगा, साथ ही व्यक्तिगत जिम्मेदारियों का भी संतुलन बनाए रखें। रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए किए गए आपके प्रयास सुखद परिणाम देंगे। प्रेम जीवन में संतोष और खुशियों का अनुभव होगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। अपनी वाणी पर संयम रखें और सुनी-सुनाई बातों पर तुरंत भरोसा करने से बचें।

कम बजट में बनवाएं स्टाइलिश चांदी की चेन

चांदी की चेन आज के समय में सिर्फ एक ज्वैलरी नहीं, बल्कि फैशन स्टेटमेंट बन चुकी है। पुरुष हों या महिलाएं, हर उम्र के लोग सिल्वर चेन को अपने स्टाइल का हिस्सा बना रहे हैं। सोने के मुकाबले चांदी सस्ती होने के साथ-साथ मॉडर्न और क्लासिक दोनों तरह के लुक में आसानी से फिट बैठती है। हालांकि, मौजूदा समय में चांदी की कीमतें आसमान छू रही हैं। लेकिन इस दौरान घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि सीमित बजट में भी कई ऐसे डिजाइन उपलब्ध हैं, जो देखने में प्रीमियम लगते हैं और उन्हें रोज भी पहना जा सकता है। अगर आप कम खर्च में एक खूबसूरत चांदी की चेन बनवाने की योजना बना रहे हैं, तो ये 7 डिजाइन आपके लिए बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकते हैं। यह चांदी के पेंडेंट बहुत ही कम दाम में आपको मिल जाएंगे, क्योंकि इनके डिजाइन बहुत हल्के और यूनिक हैं।

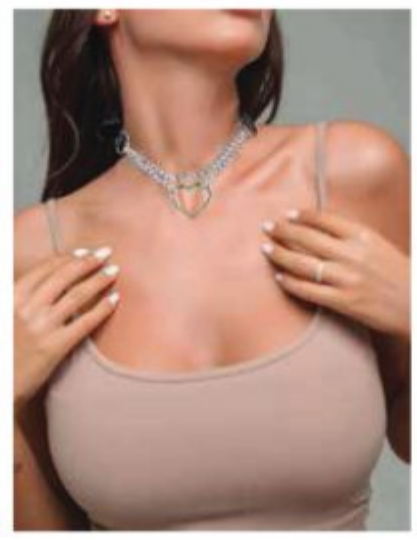

राउंड डिजाइन

राउंड पैटर्न वाली चेन देखने में भारी और प्रीमियम लगती है। खास बात ये है कि इसे कम वजन में भी तैयार किया जा सकता है। छोटे-छोटे गोल आकार के लिंक इसकी खूबसूरती को अलग पहचान देते हैं।

फ्लावर और कर्ब डिजाइन

अगर आप ट्रेडिशनल और मॉडर्न लुक का कॉम्बो चाहते हैं, तो फ्लावर और कर्ब डिजाइन बेहतरीन रहेगा। इसमें छोटे-छोटे फूलों की नक्काशी के साथ आकर्षक लॉकेट लगाया जा सकता है, जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

बारीक कर्ब लिंक डिजाइन

बारीक कर्ब लिंक वाली चेन सबसे पॉपुलर डिजाइनों में से एक है। इसका सिंपल और एलिगेंट लुक तेजी से ध्यान खींचता है। कम ग्राम में तैयार होने के चलते इसकी लागत भी कम रहती है, जिससे यह बजट फ्रेंडली ऑप्शन बन जाती है।

लॉक पेंडेंट डिजाइन

युवाओं के बीच लॉक पेंडेंट वाली चेन तेजी से लोकप्रिय हो रही है। बड़े-बड़े छल्लों के साथ बना लॉक पेंडेंट इसे स्टाइलिश और यूनिक लुक देता है। यह डिजाइन कम बजट में भी शानदार दिखाई देता है।

रेग्युलर चेन डिजाइन

अगर आप रोज पहनने के लिए हल्की और कम्फर्टेबल चेन चाहते हैं, तो रेग्युलर डिजाइन सबसे बेहतर रहेगा। यह कम वजन में तैयार हो जाती है और हर तरह की ड्रेस के साथ आसानी से मैच हो जाती है।

यूनीक चेन डिजाइन

जो लोग सबसे अलग दिखना चाहते हैं, उनके लिए यूनीक चेन डिजाइन अच्छा ऑप्शन है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका स्टाइलिश लॉक होता है, जो पूरी चेन को आकर्षक और ट्रेंडी लुक देता है। यह डिजाइन कम बजट में भी प्रीमियम फिनिश का एहसास कराता है।

चौड़े कर्ब लिंक डिजाइन

जो लोग बोल्ड और कंकी स्टाइल पसंद करते हैं, चौड़े कर्ब लिंक डिजाइन शानदार ऑप्शंस है। यह डिजाइन खासतौर पर पुरुषों के बीच काफी पॉपुलर है और कैजुअल से लेकर पार्टी वियर तक हर लुक में आकर्षक दिखाई देता है।

जगन्नाथ पुरी की रथयात्रा : आस्था, समर्पण, समानता और मानवता का दिव्य महापर्व

भारत की सनातन संस्कृति में अनेक पर्व और उत्सव मनाए जाते हैं, लेकिन ओडिशा के पुरी में आयोजित भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा विश्व के सबसे विशाल और दिव्य धार्मिक आयोजनों में से एक है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आस्था, समर्पण, सेवा, समानता और मानवता का अनुपम महापर्व है, जो करोड़ों श्रद्धालुओं को एक सूत्र में बाँध देता है। पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर चार धामों में से एक माना जाता है। यहाँ भगवान जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं।

रथयात्रा कब होती है?

रथयात्रा प्रत्येक वर्ष आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन प्रारंभ होती है। इसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा अपने-अपने भव्य रथों में विराजमान होकर श्रीमंदिर से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित गुंडिचा मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। वहाँ लगभग सात दिन विराजमान रहने के पश्चात आषाढ़ शुक्ल दशमी को बहुदा यात्रा के माध्यम से पुनः अपने मूल मंदिर लौटते हैं। सम्पूर्ण उत्सव लगभग नौ दिनों तक चलता है।

तीनों रथों के नाम :-

- भगवान जगन्नाथ – नंदीघोष
- भगवान बलभद्र – तालध्वज
- माता सुभद्रा – दर्पदलन (देवदलन)

जगन्नाथ अर्थात् जगत के नाथ — सम्पूर्ण सृष्टि के स्वामी। वे किसी एक जाति, धर्म, समाज या देश के नहीं, बल्कि समस्त चराचर जगत के भगवान हैं। शायद यही कारण है कि वर्ष में एक बार वे स्वयं मंदिर से बाहर निकलकर अपने भक्तों के बीच आते हैं, ताकि कोई भी उनके दर्शन से वंचित न रह जाए। कौन कहता है कि भगवान केवल मंदिरों में निवास करते हैं? वे तो हर उस हृदय में बसते हैं जहाँ श्रद्धा, प्रेम और निष्कपट भक्ति होती है। मनुष्य, पशु-पक्षी, वृक्ष, वनस्पति और प्रकृति का प्रत्येक कण उनकी सृष्टि है, इसलिए उनकी कृपा भी सभी पर समान रूप से बरसती है।

रथयात्रा का सबसे सुंदर दृश्य तब होता है जब लाखों श्रद्धालु एक साथ भगवान के रथ की रस्सी पकड़कर उसे खींचते हैं। उस क्षण न कोई ऊँच-नीच रहती है, न अमीर-गरीब का भेद—सब केवल भगवान के भक्त बन जाते हैं। यही इस महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता है। रथयात्रा का एक अत्यंत प्रेरणादायक प्रसंग छेरा पहरा है। इसमें गजपति महाराज स्वयं स्वर्णमंडित झाड़ू से भगवान के रथ के मार्ग की सफाई करते हैं। एक राजा का सेवक बन जाना यह संदेश देता है कि ईश्वर के समक्ष सभी समान हैं। वास्तव में सबसे बड़ा वही है, जो सबसे अधिक विनम्र है।

रथयात्रा के तीनों रथ हर वर्ष नई लकड़ी से बनाए जाते हैं। पुराने रथों का पुनः उपयोग नहीं किया जाता। यह हमें सिखाता है कि जीवन भी निरंतर नवीनता, परिवर्तन और आगे बढ़ने का नाम है। यह परम्परा केवल रथ निर्माण की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का भी प्रतीक है कि समय के साथ स्वयं को नवीनीकृत करते हुए आगे बढ़ना ही प्रगति का मार्ग है।

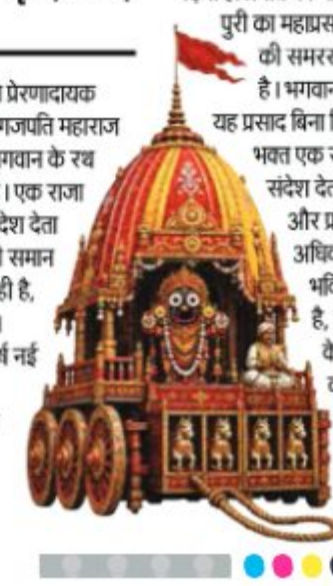

पुरी का महाप्रसाद भी भारतीय संस्कृति की समरसता का अद्भुत प्रतीक है। भगवान को अर्पित होने के बाद यह प्रसाद बिना किसी भेदभाव के सभी भक्त एक साथ ग्रहण करते हैं। यह संदेश देता है कि ईश्वर की कृपा और प्रसाद पर सबका समान अधिकार है।

भक्ति में न धन का महत्व है, न वैभव का। भगवान तो केवल प्रेम देखते हैं। कर्माबाई के खिचड़े की कथा इसका अमर उदाहरण है। अत्यंत सरल भाव से प्रतिदिन भगवान के लिए बनाई गई खिचड़ी को उनके निष्कपट प्रेम ने इतना पवित्र बना दिया कि भगवान स्वयं उसका भोग स्वीकार करने आते थे। यह कथा बताती है कि भगवान को छप्पन भोग से अधिक प्रिय भक्त का निष्कलुष प्रेम है।

रथयात्रा का आध्यात्मिक संदेश अत्यंत गहन है। यह केवल भगवान का एक मंदिर से दूसरे मंदिर जाना नहीं, बल्कि उस परमात्मा का अपनी संतान के बीच स्वयं चलकर आना है। मानो वे प्रत्येक भक्त से कह रहे हों—यदि किसी कारणवश तुम मेरे पास नहीं आ सकते, तो मैं स्वयं तुम्हारे पास आ जाता हूँ।

यही कारण है कि जगन्नाथ पुरी की रथयात्रा केवल एक धार्मिक परम्परा नहीं, बल्कि प्रेम, सेवा, समानता, विनम्रता और मानवता का जीवंत महापर्व है। जब लाखों हाथ मिलकर रथ की रस्सी थामते हैं, तब केवल भगवान का रथ ही आगे नहीं बढ़ता, बल्कि समाज की एकता, सामूहिक चेतना और मानवता भी आगे बढ़ती है।

जय जगन्नाथ!

– मंजू लोढ़ा

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में ई-कोर्ट परियोजना के नवीन डिजिटल मॉड्यूलों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दुर्ग। माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग श्री के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत न्यायालयों में डिजिटल तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा न्याय वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित, सुगम एवं तकनीक-सक्षम बनाने के उद्देश्य से आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के चतुर्थ तल स्थित नवीन सभागार में न्याय श्रुति सीसीटीएनएस तथा आईसीजेएस विषयों पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला का संचालन एवं समन्वय श्री दीपक कोशले, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग तथा श्री रवि महोबिया, व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी), दुर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायपालिका के समस्त न्यायिक अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला में ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत विकसित नवीन डिजिटल मॉड्यूलों के व्यावहारिक उपयोग, उनकी कार्यप्रणाली तथा न्यायालयीन कार्यों में उनके प्रभावी क्रियान्वयन का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान न्याय श्रुति के माध्यम से न्यायालयीन कार्यवाही के डिजिटल ट्रांसक्रिप्शन, ई-साक्ष्य द्वारा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन, ई-समन के माध्यम से समन की त्वरित एवं पारदर्शी तामील, ई-चालान प्रणाली के प्रभावी उपयोग, सीसीटीएनएस के माध्यम से पुलिस एवं न्यायालय के मध्य सूचना समन्वय तथा आईसीजेएस के माध्यम से न्यायालय, पुलिस, जेल एवं अन्य अन्वेषण एजेंसियों के बीच डिजिटल सूचना के निर्बाध आदान-प्रदान की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन किया गया।कार्यशाला के दौरान माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी न्यायिक अधिकारियों को इन डिजिटल प्रणालियों के अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग हेतु प्रशिक्षित किया गया। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विभिन्न मॉड्यूलों के व्यवहारिक एवं तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग श्री के. विनोद कुजूर ने अपने उद्बोधन में कहा कि - ई-कोर्ट परियोजना भारतीय न्यायपालिका को आधुनिक, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित न्याय व्यवस्था की ओर अग्रसर करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग न केवल न्यायिक कार्यों की गति एवं गुणवत्ता में वृद्धि करेगा, बल्कि न्यायालयों की कार्यप्रणाली को अधिक उत्तरदायी, दक्ष एवं पारदर्शी भी बनाएगा। न्यायिक अधिकारियों द्वारा इन डिजिटल मॉड्यूलों का समुचित एवं नियमित उपयोग न्याय वितरण प्रणाली को नई दिशा प्रदान करेगा तथा आम नागरिकों को समयबद्ध एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के संवैधानिक उद्देश्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।-कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री दीपक कोशले, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, दुर्ग ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी आधारित न्यायिक व्यवस्था न्याय वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, त्वरित एवं उत्तरदायी बनाएगी तथा नागरिकों को शीघ्र एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य को और अधिक सशक्त करेगी।

दुर्ग महापौर अलका बाघमार ने बाटे ऑफर लेटर जॉब के लिए दिये शुभकामनाएं

दुर्ग। नगर निगम के महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर,ज्ञानेश्वर ताम्रकर एवं पार्षदों के बीच स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर अँजोरा 11 प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरण किया गया, महापौर बाघमार जी ने सभी छात्राओं से सामान्य बातचीत की उनका परिचय पूछा जॉब के लिए उन्हें मोटिवेट प्रेरित किया। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर अंजोरा मल्टीफंक्शनल ऑफिस एसोसिएट डिपार्टमेंट के 12 छात्र-छात्राओं 45 दिन प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद रोजगार मिला। इस प्रशिक्षण से बेरोजगार युवाओं को रोजगार अवसर मिल रहा हैं युवाओं की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर मल्टीफंक्शनल ऑफिस असोसिएट का प्रशिक्षण मे इण्डस्ट्रीज की उपयोगी जानकारी सिखाई जा रही है7 छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रशिक्षण में कम्युनिकेशन स्किल, स्वाफ्ट स्किल को शामिल किया गया हैं7 स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर अंजोरा के सेंटर हेड सुभाष डोंगरे ने बताया की अंजोरा में ग्रामीण युवाओं को आवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है छात्र-छात्राओं को राज्य तथा राज्य के बाहर जॉब मिला हैं,सभी तेजस्विनी, मंजू, सुमन, उमेशस्वरी, मुस्कान इनका छात्राओं का मासिक इनहैंड सैलरी 22 हजार रूपये सैलरी है उन छात्राओं कल्याण ह्या2द्वद्दद4 कंपनी में प्लसमेंट हुआ है अब जॉब से छात्राओं की आर्थिक स्थिति सुधरेगी। प्लेसमेंट लेटर वितरण कार्यक्रम के स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर अंजोरा हॉस्पिटालिटी से सेंटर हेड सुभाष डोंगरे तथा ट्रेनर शिवानी कँवर ऑफ़ लेटर वितरण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

रविदास नगर में पेयजल संकट को लेकर भाजपा नेता के नेतृत्व में निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

भिलाई नगर। भिलाई शारदा पारा कैंप-2 स्थित रविदास नगर वार्ड क्रमांक 37 में पिछले कई महीनों से बनी पेयजल समस्या को लेकर सोमवार को मोहल्लेवासियों ने भाजपा के जिला कार्यकारिणी सदस्य मुन्ना आर्य के नेतृत्व में नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरुचि सिंह को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया है कि वार्ड क्रमांक 37 के रविदास नगर क्षेत्र में करीब 3 से 4 महीनों से पेयजल का गंभीर संकट बना हुआ है। अजय कोलते के घर से पुलिया तक, वंदन पाल ढेला हनुमान मंदिर से गोरेश गवरे के घर तक तथा शीतला मंदिर से बबलन के घर तक शिवनाथ पाइपलाइन से नियमित पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। इसके चलते स्थानीय लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मोहल्लेवासियों ने आयुक्त को सौंपे ज्ञापन में मांग की कि क्षेत्र की पेयजल समस्या का जल्द से जल्द स्थायी समाधान किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य मुन्ना आर्य ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से नागरिकों को लंबे समय तक वंचित रखना उचित नहीं है। उन्होंने निगम प्रशासन से तत्काल आवश्यक कदम उठाकर प्रभावित क्षेत्र में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के दौरान, शेख शमीम अतुल चक्रवर्ती अखबार खान, राजेश कुहिकर,रमेश ठाकरे, गीता कुहिकर, प्रियंका कोलते, राजकुमारी, रेखा,ममता, सरोज,सुनीता एवं बड़ी संख्या में रविदास नगर के निवासी उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे जनहित में आगे भी आंदोलनात्मक कदम उठाने को बाध्य होंगे।

रिटायर कर्मी बोले-बीएसपी के नए कार्मिकों को जोड़ेंगे सेक्टर-4 सोसाइटी के साथ

बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने जून माह के रिटायर कर्मियों को दी विदाई

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने एक गरिमामय समारोह में माह जून 2026 में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। विदाई समारोह में रिटायर कर्मियों ने सोसाइटी के प्रति अपने लगाव को खुल कर जाहिर किया और उम्मीद जताई कि भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से जुड़ने वाले युवा इसी सोसाइटी के सदस्य बनेंगे। शुरुआत में सोसाइटी के अध्यक्ष पूरन लाल देवांगन ने सभी रिटायर कर्मियों को सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने कहा कि रिटायर कर्मियों को हम सोसाइटी परिवार से अलग नहीं समझते है, वे हमारे परिवार का हिस्सा हैं। इस दौरान रिटायर कर्मियों ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त की। मशीन असेंबलिंग एंड रि-इंजीनियरिंग शॉप-1 से संजय शर्मा ने कहा मुझे इस बात का गर्व है कि सोसाइटी की शुरुआत मशीन शॉप-1 से हुई और आज भी मशीन शॉप के लोग नेतृत्व कर रहे हैं। मेडिकल से कल्पना जोनाथन ने बताया कि उनके पति भी इस सोसाइटी से जुड़े थे और वह भी हमेशा इसी सोसाइटी से जुड़ी रही। जब भी निजी तौर पर आर्थिक मुश्किलें आईं तो सेक्टर-4 सोसाइटी ने हमेशा सहारा दिया। मेडिकल से गीतांजलि साहू ने सोसाइटी के त्वरित कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि मेरी हमेशा जनरल शिफ्ट में ड्यूटी लगती थी। ऐसे में 4:30 बजे ड्यूटी से छूट कर सोसायटी पहुंचती थी।

विशेष लोक अदालत में सवा सत्रह लाख रुपए का अवॉर्ड किया पास

सरायपाली। न्यायालय भवन में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें 7 प्रकरणों में लगभग सवा सत्रह लाख रुपए का अवॉर्ड पास किया गया। उक्त प्रकरण विगत 5 वर्षों से विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन थे । मामला आपस में सुलझा लिये जाने से दोनों पक्षों में खुशी व संतुष्टि की लहर दिखाई दी । इस संबंध में जिला एवं अतिरिक्त न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। विशेष लोक अदालत की उक्त 03 खण्डपीठों में बैंक रिकवरी प्रकरण, बकाया की वसूली संबंधी मामले, से संबंधित प्रकरण सुनवाई हेतु परक्राम्य लिखत अधि. की धारा-138 के अधीन परिवाद पर उक्त खण्डपीठों में उपरोक्त सभी मामलों की सुनवाई करते हुए सरायपाली न्यायालयों में प्रकरणों का निराकरण किया गया। खंडपीठ क्रमांक 02 वैभव घृतलहरे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के न्यायालय में धारा 138 के 04 प्रकरण में 11,08,410 रुपये खंडपीठ क्रमांक 03 कुमारी प्रगति गुर्दे न्यायिक मजिस्ट्रेट सरायपाली के न्यायालय में धारा 138 के 03 प्रकरण में 6,17,000 रुपये, के राशि साथ निराकरण किया गया।

नगर पालिका के नामांकित पार्षदगणों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

निरन्तर उन्नति के पथ पर अग्रसर बलौदाबाजार नगर के विकास में कोई कमी नहीं होगी, सभी विकास के कार्य समय पर होंगे पूरे: टंकराम वर्मा

बलौदाबाजार। नगर पालिका द्वारा स्थानीय नगर भवन में नामांकित पार्षद गणों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन पुनर्वास, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़ शासन एवं अध्यक्षता अशोक जैन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सहित विशेष अतिथि जितेंद्र माहले उपाध्यक्ष व नगर पालिका के सभापति एवं पार्षद गण उपस्थित थे। नामांकित पार्षद ताराचंद कनौजे, दिनेश वर्मा, तारा परसवानी, नीलम सोनी, अनामिका अग्रवाल, को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रकाश चन्द्र कोरी जी के द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई, आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में टंकराम वर्मा, कैबिनेट मंत्री एवं विधायक, नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन, सभापति एवम पार्षद गणों के द्वारा सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने अपने उदबोधन में नवनियुक्त पार्षद गणों को नवीन दायित्व मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नगर पालिका में विकास के कार्य वृहद स्तर पर प्रारंभ है, पहले के बलौदा बाजार और वर्तमान के बलौदा बाजार अंतर दिखता है नगर में हुए द्रुतगति के विकास के कार्य ने नगर को एक नई पहचान दी है, इसके साथ ही नगर भवन को मिनी ऑडिटोरियम के रूप में विकसित किए जाने वातानुकूलित बनाए जाने में हर संभव सहयोग की बात कही गई, नगर में विकास के कार्यों में कोई भी कमी नहीं आने दिए जाने की बात कही गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने नामांकित पार्षद गणों को बधाई देने के साथ ही नगर पालिका में हो रहे विकास कार्यों का श्रेय टंकराम वर्मा कैबिनेट मंत्री को दिया एवं मंत्री से मिलने वाले सहयोग एवम नगर विकास के लिए मिलने वाली राशि के प्रति आभार व्यक्त किया गया, साथ ही नगर में प्रमुख रूप से चल रहे विकास कार्यों को अपने उद्बोधन में शामिल करते हुए सभी पार्षद गणों के सहयोग से नगर में भरपूर विकास के कार्य हो रहें है इसके लिए सभी की प्रशंसा की गई। टंकराम वर्मा केबिनेट मंत्री ने आयोजित समारोह में नवनियुक्त नामांकित पार्षद गणों को भगवा साफा पहना कर शुभकामनाएं दी गईं, व माननीय मंत्री जी को भी नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा भगवा साफा भेंटकर अभिनन्दन किया गया व अन्य सभी का स्वागत किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी ने नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन व उपाध्यक्ष जितेंद्र माहले का अभिनंदन करने के साथ साथ उपस्थित पार्षद गणों को पुष्प गुच्छ भेंट कर सभी का स्वागत किया गया, व कार्यक्रम के अंत में सभी आमंत्रित अतिथियों व नगर वासियों का मुख्य नगर पालिका अधिकारी आशीष तिवारी ने आभार व्यक्त किया गया, आयोजित नामांकित पार्षदगणों के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर मंचस्थ अतिथि गण विजय केशरवानी, सुनीता वर्मा, चेम्बर आफ कॉमर्स के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू, नगर पालिका के सभापति एवं पार्षद हरजीत सिंह सलूजा, जितेंद्र डड़सेना, कन्हैया सेन, प्रिया शशिभूषण शुक्ला, मनोजकान्त पुरैना, आदित्य गुप्ता, पार्षदगण अमितेष नेताम, रोहित साहू, लोकेश चेलक, सतीश पटेल, सुरेश घृतलहरे, गौतम सिंह चौहान, चंद्रशेखर गुप्ता, मंजू फेकर, शेख सलमान, सहित जनप्रतिनिधि समाज सेवी व नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारी सहित भारी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

आयुष्मान भारत योजना में मध्यप्रदेश को मिला राष्ट्रीय सम्मान, स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

भोपाल। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मध्यप्रदेश ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश को ÷बेस्ट परफार्मिंग लार्ज स्टेट ङ्क हाइयेस्ट प्री-ऑथोराइजेशंस विथ बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन÷ श्रेणी में राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन प्रक्रिया के प्रभावी, पारदर्शी और सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक (चिंतन शिविर) के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव सुपुण्य सलिला श्रीवास्तव ने आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह को यह सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में एनएचए के सीईओ डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल, संयुक्त सचिव किरण गोपाल वास्का सहित एनएचए और यूआईडीएआई के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह सम्मान प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, तकनीक आधारित सुशासन और जनहित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने इस उपलब्धि के लिए आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश की पूरी टीम, जिला अधिकारियों, अस्पतालों तथा योजना से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी प्रदेश स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

निगम आयुक्त ने किया शहर के विकास कार्यों का औचक निरीक्षण, निर्माण कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के दिए सख्त निर्देश

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह ने 'मॉर्निंग विजिट' के तहत शहर के विभिन्न वार्डों और प्रमुख विकास परियोजनाओं का धरातलीय निरीक्षण किया। आयुक्त ने निर्माण कार्यों को समय-सीमा के भीतर काम पूरा करने की हिदायत दी। आयुक्त ने गोठान की व्यवस्थाओं को देखा और मवेशियों के लिए चारे-पानी के समुचित प्रबंध सहित स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। ?युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए तैयार हो रहे निर्माणाधीन स्विमिंग पूल, हॉर्स राइडिंग, स्केटिंग ट्रैक सहित नालंदा परिसर का निरीक्षण कर गुणवत्ता युक्त कार्य के साथ निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा। ?शहर की लाइफलाइन 77 स्वच्छ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन कर शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ विभिन्न स्थलों के सैंपल परीक्षण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कचांदुर में बन रहे निर्माणाधीन एसटीपी का बारीकी से निरीक्षण किया गया, यह शासन की महत्वपूर्ण बड़ी योजना में से है। इस ट्रीटमेन्ट प्लांट के निर्माण पश्चात् कोसानाला एवं तेलहा नाला के अपशिष्ट जल का उपचार कर औद्योगिक, कृषि, बागवानी एवं अन्य कार्य हेतु उपयोग किया जाएगा। खुर्सीपार स्थित एसएलआरएम सेंटर का भी जायजा लिया गया, जहां कचरा प्रबंधन को और दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त डी. के. कोसरिया, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल एवं सुनील जैन, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक अभियंता फत्ते लाल साहू, श्वेता वर्मा, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, अशोक देवांगन, चंदन निर्मल, विनय शर्मा सहित निगम के अन्य विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com